संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 77
पृष्ठ 8
गुरुवार
04 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गंजे सिर पर भी उग जाएंगे बाल!.... विचार- भारत की विविधता में एकता और... खेल- कोहली ने वनडे विश्व कप के...

योगी सरकार का बड़ा निर्णयः दिव्यांग पेंशन 300 से बढ़ाकर 1000 रुपए

- विश्व दिव्यांग दिवसः मुख्यमंत्री ने किया राज्यस्तरीय कार्यक्रम का किया उद्घाटन
- 30 व्यक्तियों,संस्थाओं को प्रदान किया दिव्यांगजन सम्मान पुरस्कार
- 500 दिव्यांगजनों को बांटे ट्राईसाइकिल एवं सहायक उपकरण

लखनऊ, संवाददाता। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों, संस्थाओं, नियोक्ताओं एवं सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कार्मिकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने 500 दिव्यांगजन कोट्राईसाइकिल एवं विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए, दिव्य कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा विशेष विद्यालयों के मेधावी छात्र–छात्राओं को टैबलेट एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के कक्षा–9 से 12 तक के 5,33,285 छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण–पत्र तथा कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना एवं विवाह अनुदान योजना के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किए गए।इस अवसर पर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के समग्र कल्याण, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिससे सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग और थेरेपी की सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग पेंशन को 300 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए किए जाने, सहायक उपकरणों की वित्तीय सहायता को 10,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए तक करने तथा विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत दिव्यांग दंपतियों को 35,000 रुपए की सहायता प्रदान किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विभिन्न जिलों से आए 500 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए गए और विशेष विद्यालयों में अध्ययनरत 36 मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि 3 से 5 दिसम्बर तक "दिव्य कला प्रदर्शनी" दिव्यांगजन की कलात्मक, तकनीकी, व्यावसायिक एवं उद्यमशील क्षमताओं का अनूठा प्रदर्शन करेगी, जिसमें दिव्यांग कलाकारों और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सीएसआर कॉन्क्लेव में दिव्यांगजन कल्याण को बढ़ावा देने हेतु 28 बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आमंत्रित किया गया है, कॉर्पोरेट सोशलरिस्पॉन्सिबिलिटी के अंतर्गत पुनर्वास, प्रशिक्षण, रोजगार एवं नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष चर्चा की जाएगी।छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना पर बोलते हुए मंत्री कश्यप ने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण अब सितंबर माह से ही शुरू कर दिया गया है, जबकि पूर्व में यह मार्च में होता था। इस वर्ष 5,33,285 छात्र–छात्राओं को 134 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। अब तक 12,76,000 से अधिक छात्रों को 323 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है। योगी सरकार की पारदर्शिता, प्रतिबद्धता और सतत प्रयासों से पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की योजनाएं तेज गति से लागू हो रही हैं।

कांग्रेस का संसद में हंगामा, खरगे बोले-

नई लेबर कोड से मजदूरों की नौकरी पर संकट

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को मोदी सरकार पर "मजदूर विरोधी और पूंजीपति समर्थक" होने का आरोप लगाया और दावा किया कि हाल ही में लागू चार श्रम संहिताओं के कारण श्रमिकों के रोजगार की सुरक्षा एवं स्थायित्व खतरे में पड़ गया है। खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने श्रम संहिताओं के खिलाफ बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। बाद में खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मोदी सरकार मजदूर विरोधी, कर्मचारी विरोधी और पूंजीपतियों की समर्थक है। विपक्षी दलों ने आज संसद में मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए, नयी लागू की गई श्रम संहिताओं पर कड़ी आपत्ति जताई। नयी संहिताओं में कुछ गंभीर चिंताएं हैं।"उन्होंने दावा किया कि छंटनी की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 श्रमिकों तक कर दी गई है, जिसका मतलब यह है कि भारत में 80 प्रतिशत से अधिक कारखाने अब सरकार की मंजूरी के बिना श्रमिकों को नौकरी से हटा सकते हैं, जिससे नौकरी की सुरक्षा कम हो जाएगी। खरगे ने कहा कि तय समयसीमा वाले रोजगार के विस्तार से कई स्थायी नौकरियां खत्म हो जाएंगी तथा कंपनियां अब दीर्घकालिक लाभ से बचते हुए, अल्पकालिक अनुबंध पर श्रमिकों को काम पर रख सकती हैं। उनका कहना है, "संहिता के तहत कागज पर आठ घंटे काम की बात की गई है, लेकिन 12 घंटे की शिफ्ट भी कराई जा सकती है.... इससे थकान और सुरक्षा जोखिम बढ़ जाते हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "संहिता प्रवासियों के लिए सुरक्षा उपायों का विस्तार करने, विस्थापन भत्ते को हटाने और प्रतिबंधात्मक 18,000 रुपये की आय सीमा को बनाए रखने में विफल है, जिससे कई प्रवासियों को सुरक्षा के बिना छोड़ दिया गया है। अनिवार्य आधार–आधारित पंजीकरण से प्रवासियों और अनौपचारिक श्रमिकों के बाहर होने का जोखिम है, जिन्हें अक्सर दस्तावेजीकरण त्रुटियों या सीमित डिजिटल पहुंच का सामना करना पड़ता है। निश्चित रूप से इससे सामाजिक–सुरक्षा नामांकन में बाधाएं पैदा होती हैं।"

ईमेल से दिल्ली विवि के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की चेतावनी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों को बुधवार सुबह ईमेल के ज़रिए बम की धमकी मिली, जिससे हड़कंप मच गया और बम निरोधक दल (बीडीडीटी) और पुलिस को तैनात किया गया। ऐसे ही ईमेल की श्रृंखला में सबसे ताज़ा ईमेल सुबह लगभग 1.59 बजे रामजस कॉलेज और देशबंधु कॉलेज को भेजा गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंठिया ने बताया कि रामजस कॉलेज के प्राचार्य ने सुबह–सुबह धमकी की सूचना दी, जिसके बाद बीडीडीटी और स्थानीय पुलिस ने परिसर में तोड़फोड़–रोधी जाँच शुरू कर दी। देशबंधु कॉलेज में भी इसी तरह की जाँच की गई। अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस ने बताया कि धमकी भरा ईमेल भेजने वाले की पहचान अभी नहीं हो पाई है। रामजस कॉलेज के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने सुबह करीब 10 बजे मेल चेक किया और तुरंत कर्मचारियों और छात्रों को परिसर खाली करने को कहा। छात्रों को परिसर से बाहर निकाला गया और पुलिस को बुलाया गया। रामजस कॉलेज के प्रिंसिपल अजय अरोड़ा ने बताया कि प्रैक्टिकल परीक्षाएँ बुधवार को होनी थीं। लेकिन जैसे ही हमें बम की धमकी मिली, हमने तुरंत कॉलेज खाली कर दिया और छात्रों को घर वापस जाने को कहा। देशबंधु कॉलेज के प्रिंसिपल राजेंद्र पांडे ने कहा कि वे बम निरोधक दस्ते की अनुमति का इंतज़ार कर रहे थे। 20 नवंबर को दिल्ली के पाँच स्कूलों को बम विस्फोटों की चेतावनी वाले ईमेल मिले, जिसके बाद स्कूलों को खाली कराया गया और तलाशी ली गई, लेकिन बाद में इन धमकियों को अफवाह घोषित कर दिया गया। दो दिन पहले, दिल्ली की चार ज़िला अदालतों और केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल द्वारा संचालित दो स्कूलों को भी इसी तरह की धमकियाँ मिली थीं।

नक्सलवाद पर कड़ा प्रहारः बीजापुर में 6 माओवादी मारे गए, 2 जांबाज जवान भी शहीद

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुई एक मुठभेड़ में कम से कम छह नक्सली मारे गए। दुर्भाग्य से, नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दो जवान शहीद हो गए। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा–बीजापुर सीमा के पास गंगालूर के जंगली इलाके में

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मुठभेड़ हुई। डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड, स्पेशल टास्क फ़ोर्स और कोबरा की एक विशिष्ट इकाई, कमांडो बटालियन फ़ॉर रेज़ोल्यूट एक्शन) की एक संयुक्त टीम इस अभियान को अंजाम दे रही थी। दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप ने बताया कि पिछले दो घंटों से मुठभेड़ अभी भी जारी है।उन्होंने कहा कि अब तक छह माओवादी मारे गए हैं और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में दो क्ल्ब जवान भी शहीद हुए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को घेर लिया है और मुठभेड़ अभी भी जारी है। इस नवीनतम कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में 268 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 239 बस्तर संभाग में, जिसमें बीजापुर और दंतेवाड़ा सहित सात जिले शामिल हैं, मारे गए, जबकि 27 अन्य रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए।

पीएम मोदी सरकार के पास जाति जनगणना पर ठोस रूपरेखा नहीं : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निचले सदन में अपने लिखित प्रश्न का सरकार द्वारा दिए गए उत्तर का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि मोदी सरकार के पास जाति जनगणना को लेकर कोई ठोस रूपरेखा और योजना नहीं है और यह देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना पर सवाल पूछा था। उनका जवाब चौंकाने वाला है। न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा और न ही जनता से संवाद।" उन्होंने दावा किया, "दूसरे राज्यों की सफल जाति जनगणनाओं की रणनीति से सीखने की कोई इच्छा भी नहीं है। मोदी सरकार की यह जाति जनगणना देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है।" "राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में लिखित प्रश्न किया था," दशकीय जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक कदमों का ब्यौरा और संभावित समयसीमा क्या है, जिसमें प्रश्नों की तैयारी, कार्यक्रम निर्धारित करना शामिल है? क्या सरकार का जनगणना के सवालों का प्रारूप प्रकाशित करने और इन सवालों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से इनपुट लेने का कोई प्रस्ताव है? क्या सरकार अलग–अलग राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षण समेत पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?" इसके जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानाथ राय ने बताया था कि जनगणना दो चरणों में होगी। उन्होंने कहा था कि पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और आवास गणना तथा उसके बाद दूसरे चरण में आबादी की गणना की जाएगी। मंत्री ने कहा था, "आबादी की गणना फरवरी 2027 में की जाएगी, जिसकी संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 की मध्य रात्रि होगी, सिवाय केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके दुर्गम इलाकों को छोड़कर, जहां यह गणना सितंबर 2026 में की जाएगी, जिसकी संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि होगी।" राय ने कहा था, "जनगणना का 150 वर्षों से अधिक का इतिहास है। अगली जनगणना के लिए पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखा जाता है। प्रत्येक जनगणना से पहले संबंधित हितधारकों से भी सुझाव लिए जाते हैं।"

कांग्रेस ने पंजाब में कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति का उठाया मुद्दा, केंद्र सरकार से की हस्तक्षेप की मांग

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा में बुधवार को पंजाब में कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की। कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने शून्यकाल के दौरान पंजाब बिगड़ती कानून व्यवस्था का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। पंजाब में गैंगस्टर बेखौफ हत्या को अंजाम दे रहे हैं। राज्य सरकार का परोक्ष रूप से कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालोंप्रश्रय दे रही है।उन्होंने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था तारतार हो चुकी है। केंद्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि राज्य मेंकानून व्यवस्था बेहतर हो सके। कांग्रेस के राहुल कास्वां ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड पर लोन की सीमा प्रति हेक्टेयर तीन लाख रुपया था। सरकार ने बजट 2025–26 में तीन लाख से पांच लाख करने की घोषणा की है लेकिन आज तक सरकार ने इसे अधिसूचित नहीं किया है। सरकार अपने किये वादे को इतने लंबे समय के बाद भी लागू नहीं कर पायी है।

आरिफ खान और नीतीश ने देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

पटना, एजेंसी। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को उनकी जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खान और श्री कुमार ने आज देशरत्न डॉ.राजेन्द्र प्रसाद की 141वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में यहां राजेन्द्र चौक स्थित उनकी

प्रतिमा स्थल पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। श्री खान और श्री खान ने माल्यार्पण के बाद स्वदेशी कंबल आश्रम की चरखा कात रही महिलाओं के बीच साड़ी वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया। राजेन्द्र चौक से राज्यपाल श्री खान एवं मुख्यमंत्री श्री कुमार ने राजेन्द्र घाट समाधि स्थल पहुँचकर देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, विधायक श्याम रजक, अश्वमेध देवी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित अन्य सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को नमन कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के कलाकारों ने आरती पूजन, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

केंद्र की सख्त चेतावनी, दिल्ली की जहरीली हवा पर लगाम, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर तलवार लटकी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने लगातार खतरनाक वायु गुणवत्ता के बीच बुधवार को दिल्ली–एनसीआर के अधिकारियों को 31 दिसंबर तक वास्तविक समय में उत्सर्जन निगरानी प्रणाली और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों को स्थापित न करने पर अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया। केंद्र सरकार ने दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को इस महीने के भीतर अपनी 2026 की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजनाओं को अंतिम रूप देने का भी निर्देश दिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक में ये निर्णय लिये गये। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव ने कहा कि दिल्ली–एनसीआर में 2,254 अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों ने अभी तक अपने ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) को सीपीसीबी सर्वर से स्थापित और कनेक्ट नहीं किया है। यादव ने कहा, "31 दिसंबर की समय सीमा को पूरा नहीं करने वाले उद्योगों के खिलाफ उन्हें बंद करने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

राजभवनों का नाम बदलने के मुद्दे पर रास में तीखी नोकझोंक, रिकॉर्ड से टिप्पणियां हटाने की उठी मांग

नयी दिल्ली देशभर के राजभवनों का नाम 'लोक भवन' करने संबंधी गृह मंत्रालय के 25 नवम्बर के निर्देश का मुद्दा राज्यसभा में बुधवार को शून्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सदस्य डोला सेन द्वारा उठाए जाने के बाद सदन में तीखी नोकझोंक हुई। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए बांग्ला में डोला सेन ने कहा, "सबसे पहले हम यह कहना चाहते हैं कि न तो संसद, विधानसभा और न ही मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी है। और तो और महोदय, वे आपसे भी इस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं।"अपनी बात रखने के दौरान

डोला सेन ने मनरेगा सहित अन्य मुद्दों का भी जिक्र किया। तब सभापति ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदस्य अपने मूल विषय पर ही बोलें और विषय से अलग बातें रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनेंगी। सदन के नेता जे पी नड्डा ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए कहा, "आपने उन्हें शून्यकाल में राजभवन का नाम लोक भवन करने के मुद्दे पर बोलने की अनुमति दी थी। लेकिन उन्होंने मनरेगा और अन्य मुद्दों का जिक्र किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चूंकि यह विषय से संबंधित नहीं है, इसलिए इसे कार्यवाही से हटा दिया जाए और केवल लोक भवन से जुड़ी बातें ही रिकॉर्ड में ली जाएं।"सभापति सी पी राधाकृष्णन ने नड्डा से सहमति जताते हुए दोहराया कि "विषय से हटकर कहा गया कुछ भी रिकॉर्ड मेंनहीं जाएगा।" विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने डोला सेन के समर्थन में कहा, "उन्होंने कोई भी अपमानजनक शब्द नहीं बोला है। सब कुछ विषय से जुड़ा हुआ है। और यह विषय आपके कार्यालय में जांचने के बाद ही उन्हें बोलने की अनुमति दी गई थी।"

नैनी में ट्रक ने रेलवे फाटक तोड़ा, हड़कंप

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के नैनी स्टेशन के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बंद हो रहे रेलवे फाटक को टक्कर मार दी। इस घटना में फाटक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी दल ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य शुरू करा दिया। हालांकि इस घटना आ के दौरान काफी देर तक जाम की समस्या बनी रही। ट्रक चालक फाटक बंद होने के बावजूद उसे जल्दबाजी में पार करने का प्रयास कर रहा था। तभी यह टक्कर हुई। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। लोग काफी परेशान हो गए थे। इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी गई। जिसके बाद क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू किया गया। काफी समय तक चले मरम्मत कार्य के बाद, क्षतिग्रस्त फाटक को हटाकर उसकी जगह स्लाइडिंग बूम लगाकर आवागमन को सुचारु किया गया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि फाटक क्षतिग्रस्त होने के बावजूद किसी भी ट्रेन के संचालन में देरी नहीं हुई और न ही कोई दुर्घटना घटी। समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। छिवकी आरपीएफ इंस्पेक्टर आरके यादव ने जानकारी दी कि फाटक को क्षतिग्रस्त करने वाले ट्रक और उसके चालक को मौके पर ही पकड़ लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नैनी सेंट्रल जेल में बंदियों की बढ़ी व्यवस्थाएं

प्रयागराज (संवाददाता)। केंद्रीय कारागार नैनी में बंद सजायाफ्ता बंदियों को अब ठंड में जेल प्रशासन की ओर से बेहतर व्यवस्था देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सर्दी के मौसम में बंदियों को ठंड से बचाने के लिए लिए जहां एक तरफ कंबल दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सर्द हवाओं से बचाने के लिए बैरकों के अड़गडे में पॉलीथिन लगवाई जा रही है। जिससे बंदियों को ठंड से बचाया जा सके। सर्द हवाओं से बंदी बीमार होते है और फिर उनकी मौत हो जाती है। ऐसे में जेल की बैरकों में पॉलीथिन लगाएजाने के बाद अंदर हवा नहीं जा सकती है। इससे बंदियों को शीतलहर से बचाया जा सकेगा। ठंड की शुरुआत से पहले ही मुख्यालय के आदेश पर सेंट्रल जेल में मौजूद कंबल कारखाने से करीब दस हजार कंबल प्रदेश की विभिन्न जेल में निरुद्ध बंदियों के लिए भेजे गए हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह के अनुसार कंबल कारखाने में बने कंबल शासन के आदेश पर कुल 21 जेलों में लगभग दस हजार कंबल भेजे गए हैं। केंद्रीय जेल में स्थापित कंबल कारखाने में लगभग चालीस बंदी जेल मैनुअल के अनुसार कंबल बनाने का कार्य करते हैं। जिसके लिए कच्चा मॉल मुख्यालय के आदेश पर उपलब्ध कराया जाता है। यहां से बने कंबल सर्दी के मौसम में विभिन्न जेलों के बंदियों को उपलब्ध कराए जाते हैं। जिन 21 जेलों को कंबल उपलब्ध कराए गए हैं।

पूर्व विधायक विजय मिश्र की जेल बदलने की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक विजय मिश्र की जेल बदलने के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसडी सिंह एवं न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की खंडपीठ ने याचिका वापस लेने के आधार पर दिया है। याचिका में विजय मिश्र ने नैनी सेंट्रल जेल से इटावा जेल भेजने को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया था कि विजय मिश्र को नैनी सेंट्रल जेल से इटावा जेल भेज दिया गया है जबकि उनके कई मुकदमे इलाहाबाद जिला न्यायालय में हैं जिनका ट्रायल चल रहा है। स्वास्थ्य खराब होने के कारण पेशी पर इटावा से प्रयागराज आने जाने में दिक्कत होगी।याचिका का विरोध करते हुए अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम परितोष कुमार मालवीय ने कहा कि जेल मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार याची की जेल बदली गई है। जहां तक पेशी पर आने जाने की बात है, ट्रायल कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी का निर्देश दिया है। याची की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो भी रही है। उनको जिला न्यायालय आने की आवश्यकता नहीं है।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन-इन्टरलाकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं रिशेड्यूलिंग किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	चलने का दिन	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12511	गोरखपुर-कोच्चुवेली	गुरु.,शुक्र.,रवि.	12.02.26 एवं 13.02.26
12512	कोच्चुवेली-गोरखपुर	मंगल, बुध.,रवि.	10.02.26 एवं 11.02.26
12521	बरौनी-एरणाकुलम	सोम.	09.02.26
12522	एरणाकुलम-बरौनी	शुक्र.	13.02.26
03251	दानापुर-सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मि., बेंगलुरु	सोम., रवि.	08.02.26 एवं 09.02.26
03252	सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मि., बेंगलुरु-दानापुर	मंगल, बुध.	10.02.26 एवं 11.02.26
03259	दानापुर-सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मि., बेंगलुरु	मंगल	03.02.26 एवं 10.02.26
03260	सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मि., बेंगलुरु-दानापुर	गुरु.	05.02.26 एवं 12.02.26
03261	दानापुर-यशवंतपुर	शनि.	31.01.26 एवं 07.02.26
03262	यशवंतपुर-दानापुर	मंगल	03.02.26 एवं 10.02.26
04131	कानपुर सेन्ट्रल-सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मि.,बेंगलुरु	रवि.	01.02.26 एवं 08.02.26
04132	सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मि.,बेंगलुरु-कानपुर सेन्ट्रल	बुध.	04.01.26 एवं 11.02.26
05313	महबूबनगर-गोमतीनगर	सोम.	02.02.26 एवं 09.02.26
05314	गोमतीनगर-महबूबनगर	रवि.	01.02.26 एवं 08.02.26
05541	दरभंगा-यशवंतपुर	सोम.	26.01.26, 02.02.26 एवं 09.02.26
05542	यशवंतपुर-दरभंगा	गुरु.	29.01.26, 05.02.26 एवं 12.02.26
05543	मुजफ्फरपुर-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि	शुक्र.	23.01.26, 30.01.26 एवं 06.02.26
05544	श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि - मुजफ्फरपुर	मंगल	27.01.26, 03.02.26 एवं 10.02.26
06563	यशवंतपुर-धनबाद	शनि.	31.01.26 एवं 07.02.26
06564	धनबाद-यशवंतपुर	सोम.	02.02.26 एवं 09.02.26
07357	श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि-रक्सौल	शनि.	31.01.26 एवं 07.02.26
07358	रक्सौल-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि	मंगल	03.02.26 एवं 10.02.26
07419	चर्लपल्ली-बक्सर	शनि.	31.01.26 एवं 07.02.26
07420	बक्सर-चर्लपल्ली	सोम.	02.02.26 एवं 09.02.26

रेलगाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	शार्ट टर्मिनेशन/ शार्ट ओरिजिनेशन
14113	सूबेदारगंज-देहरादून	07.12.2025 से 09.12.2025	लक्सर स्टेशन में शार्ट टर्मिनेट
14114	देहरादून-सूबेदारगंज	08.12.2025 से 10.12.2025	लक्सर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट

रेलगाड़ी का रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	रिशेड्यूड (मिनट में)
14114	देहरादून-सूबेदारगंज	08.12.2025	120" देहरादून

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2320/25(AS)

ताजमहल फिल्म के को-प्रोड्यूसर प्रयागराज से अरेस्ट

कानपुर के कारोबारी से जमीन के नाम पर हड़पे 3.30 करोड़, रंगदारी मांगने के आरोप

प्रयागराज (एजेंसी)। कारोबारी से करोड़ों की ठगी में ताजमहल फिल्म के को–प्रोड्यूसर इरशाद आलम को कानपुर पुलिस ने बुधवार तड़के प्रयागराज से अरेस्ट कर लिया है। चार दिन पहले इरशाद ने कानपुर के बेकनगंज निवासी कारोबारी से मोहम्मद शोएब को जमीन दिलाने के नाम पर 3.30 करोड़ रुपए ठगे थे।

इसी केस में इरशाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। आरोप है कि रुपए वापस मांगने पर इरशाद ने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 60 लाख रुपए रंगदारी भी मांगी। पीड़ित ने ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर अपराध और मुख्यालय विनोद कुमार सिंह से शिकायत की थी। इसके बाद 29 नवंबर को बेकनगंज पुलिस ने दो नामजद समेत 8 पर रिपोर्ट दर्ज की।

बुधवार दोपहर पुलिस आरोपी इरशाद आलम और अनवर शेख उर्फ रेहान को प्रयागराज से लेकर कानपुर पहुंची। बेकनगंज थाने में पूछताछ की गई। अनवर शेख उर्फ रेहान लखनऊ का रहने वाला है। यह भी मामले में आरोपी है।

सिविल लाइंस निवासी मोहम्मद शोएब पोल्ट्री कारोबारी हैं। उनका बेकनगंज नई सड़क पर एग स्टोर है। उन्हें और उनके साथी नई सड़क निवासी फहद नसीम और उबैद नसीम को व्यापार बढ़ाने, गोदाम के लिए जमीन की जरूरत थी।

इस पर रिक्की और रफी ने उनकी मुलाकात जाजमऊ गज्जूपुरवा हाल पता सिग्नेचर सिटी निवासी इरशाद आलम से कराई। टेनरी संचालक इरशाद आलम 2005 में रिलीज फिल्म ताजमहल के को–प्रोड्यूसर भी हैं। मोहम्मद शोएब के अनुसार, इरशाद आलम ने उन्हें जाजमऊ गज्जूपुरवा में जमीन दिखाते हुए 1.65 करोड़ रुपए में बेचने की बात कही। नोटिरियल विक्रय अनुबंध पत्र तैयार होने पर उन्होंने 1.65 करोड़ रुपए दे दिए। कई दिन बीतने पर उन्होंने विक्रय पत्र निष्पादित करने को कहा तो उसने जमीन की रकम दोगुनी कर दी। रुपए फंसे होने पर शोएब ने उनकी बात मानते हुए दोबारा 1.65 करोड़ रुपए

दे दिए। कुल 3.30 करोड़ देने के बावजूद इरशाद ने बैनामा नही किया। मोहम्मद शोएब ने बताया– जब मैंने जमीन की पड़ताल की तो पता चला कि यह जमीन सरकार ने पहले ही अधिग्रहीत कर रखी है। जब मैंने रुपए वापस मांगे तो आरोपी ने अपने साथी मोहम्मद उजैर और अन्य लोगों के साथ 13 सितंबर को मेरी दुकान पर आकर झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दी। साथ ही 60 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। इस पर मोहम्मद शोएब ने मामले की शिकायत ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर विनोद कुमार सिंह से की। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने आरोपी इरशाद और उनके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई के आदेश दिए थे। आरोपी इरशाद आलम की तलाश में बेकनगंज पुलिस लगी थी। इंस्पेक्टर मोहम्मद मतीन खान ने बताया कि इरशाद आलम को प्रयागराज से गिरफ्तार कर पुलिस टीम कानपुर पहुंची। उससे पूछताछ की जा रही है। ताजमहल फिल्म के सह–निर्माता इरशाद आलम पर प्रवर्तन निदेशालय (ED), CBI के साथ ही जाजमऊ, चकेरी, बाबूपुरवा और बेकनगंज आदि थानों में 10 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें जांच चल रही है।

अभिजीत घोषाल के सुरों में सुन सकेंगे 'गीता'

प्रयागराज पहुंचे पार्श्व गायक, बोले- संस्कृत के श्लोकों का सरल रूप में गाना है

प्रयागराज (संवाददाता)। नई जेनरेशन तक 'गीता' को पहुंचाने का प्रयास जाने–माने पार्श्व गायक व संगीतकार अभिजीत घोषाल की ओर से की जा रही है। आने वाले दिनों में उनके सुर में 'गीता' के संस्कृत श्लोक सरल शब्दों में सुनाई देंगे। इसके लिए वह काम कर रहे हैं।

सा रे गा मा पा के 11 बार के लगातार विजेता रहे अभिजीत घोषाल प्रयागराज पहुंचे थे। उनकी 'दैनिक भास्कर' से विशेष बातचीत हुई। उन्होंने कहा, युवाओं को 'गीता' से जोड़ने के लिए हम ऐसा प्रयास कर रहे हैं जिसमें हम गीता के श्लोकों का 2 लाइन के दोहे में मीनिंग बता सकें। यशपाल शर्मा की एक बुक है, गीता के दोहों में अनुवाद की। इसका भी सपोर्ट ले रहे हैं।

अभिजीत घोषाल ने कहा, गुरु के बिना नई पीढ़ी अपनी मंजिल की तरफ आसानी से नहीं पहुंच सकती है। इसी तरह से सिंगर बनने के लिए भी गुरु बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय का टॉपर रहा। पहले एग्जाम में ही बैंक में पीओ की नौकरी लग गई थी लेकिन नौकरी छोड़ दी और इस फील्ड में उतरा। हकीकत तो यह है कि हमने सिंगर बनने के लिए कोई कोर्स नहीं किया था। हमारे गुरु ही हमारे लिए किसी कोर्स से कम नहीं थे। आज के डेट में भी मेरे चार गुरु हैं, आगे भी हमेशा गुरु रहेंगे। बता दें, अभिजीत घोषाल मूलतरू प्रयागराज के ही रहने वाले हैं। इनकी पढ़ाई भी इसी शहर से हुई है। वह विश्वविद्यालय में गोल्ड मेडलिस्ट रहे। वह अभी अपने शहर में आए तो अपने दोस्तों और सगे संबंधियों के बीच पहुंच रहे हैं।

अभिजीत घोषाल ने कहा, सबसे ज्यादा जरूरी है। पढ़ाई को ज्यादा महत्व दीजिए, इसके साथ ही कुछ अलग करिए। ऐसा नहीं कि कोई आता है और गिटार लेके गा दे रहा है.. यह गलत है। दूसरी बात, कहीं न कहीं जाकर सीखिए।

अभिजीत घोषाल अलग–अलग देशों में 17 भाषाओं में अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। बॉलीवुड मूवी लंदन ड्रीम्स का सबसे ज्यादा चर्चित सांग 'जश्न है जीत का' भी अभिजित ने गाया है। करीब 15 हजार गाने इन्हें कंठस्थ हैं। इन्होंने मां पर एक गाना गाया है, वो है मां.. बहुत ही सराही गई।

माघ मेले में नैनी स्टेशन से चलेंगी ज्यादा ट्रेनें

फाफामऊ और झूंसी से स्पेशल ट्रेनें, बाहर जाने वाली ट्रेनों की संख्या 30 फीसदी तक बढ़ेगी

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेले में इस बार लगभग 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। अधिकारियों ने रेलवे और भीड़ प्रबंधन को लेकर कड़ी तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार को पत्र लिखकर प्रयागराज आने वाली ट्रेनों की तुलना में बाहर जाने वाली ट्रेनों की संख्या 25 से 30 प्रतिशत अधिक चलाने का सुझाव दिया है।

पत्र में मुख्य सचिव ने नैनी स्टेशन पर अधिक ट्रेनों का आवागमन कराने की विशेष सिफारिश की है क्योंकि घाट के नजदीक होने के कारण यहां श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा होती है। छिवकी की तुलना में नैनी स्टेशन पर ज्यादा ट्रेनें चलाई

जाएंगी। इसके अलावा दोनों स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने, प्रवेश और निकासी द्वारों पर पर्याप्त संख्या में जीआरपी और आरपीएफ विभाग की तैनाती, तथा नैनी स्टेशन के गोदाम भवन को होल्डिंग एरिया के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

फाफामऊ और झूंसी रेलवे स्टेशनों से विशेष ट्रेनों की चलाने की भी सिफारिश की गई है। फाफामऊ पुल के अतिरिक्त कोई वैकल्पिक मार्ग न होने से भीड़ प्रबंधन की समस्या हो सकती है। इसलिए स्टेशन के पास पर्याप्त होल्डिंग एरिया और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था आवश्यक होगी।

स्नान पर्वों के दौरान श्रद्धालु रेलवे ट्रैक पर चलकर समय बचाने की कोशिश करते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसे रोकने के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे ऊंची रेलिंग, दीवार और कंटीले तार लगाए जा रहे हैं। ड्रोन से निगरानी की जाएगी और यदि कोई व्यक्ति ट्रैक पर पाया गया तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

कुछ अन्य प्रस्तावों में मेला क्षेत्र से अंदावा रोड होते हुए झूसी स्टेशन तक के रास्ते को होल्डिंग एरिया बनाना, झूसी स्टेशन के गेट नंबर चार पर मजबूत बैरिकेडिंग लगाना, होल्डिंग एरिया की ऊंचाई बढ़ाना और संगम स्टेशन को बंद करने की योजना शामिल है।

ट्रायल कोर्ट जज को धमकी का मामला हाईकोर्ट में उठा

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान भरी अदालत में एसपी ललितपुर द्वारा ट्रायल कोर्ट जज को ध ामकी देने के मामले पर घटना के करीब 40 साल बाद संज्ञान लिया है। कोर्ट ने डीजीपी को हलफनामा दाखिल कर यह बताने के लिए कहा है कि उस वक्त उक्त आरोपी अधिकारी पर क्या कार्रवाई की गई थी और क्या वह अब भी जीवित हैं।

वृंदावन व अन्य की अपील पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जेजे मुनीर एवं न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने पाया कि सेशन जज ने अपने फैसले में इस बात का जिक्र किया है कि तत्कालीन एसपी ने उन्हें धमकाया था और थाने तक घसीट ले जाने की धमकी दी थी। खंडपीठ ने पाया कि सेशन जज ने फैसले में कहा है कि डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस ने एक गुंडे की तरह व्यवहार किया और ट्रायल जज को धमकी दी। अधिकारी की मौजूदा हालत के बारे में अनिश्चितता को देखते हुए कोर्ट ने कहा कि यह नहीं पता कि

तत्कालीन एसपी बीके भोला जो शायद अब रिटायर हो चुके होंगे, इस दुनिया में हैं या नहीं। कोर्ट ने डीजीपी को नौ दिसंबर तक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें इन बिंदुओं को शामिल करने को कहा है कि बीके भोला अब भी हैं या नहीं। वह अब भी सेवा में हैं या पेंशन ले रहे हैं। जीवित हैं तो उनकी पूरी जानकारी, रहने का पता और थाने की जानकारी दी जाए। कोर्ट ने डीजीपी को यह भी बताने का निर्देश दिया है कि 1988 के फैसले में ट्रायल जज के निर्देशों के आधार पर बीके भोला के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई थी।

उम्र कैद की सजा पाए चारों आरोपी बरी

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2010 में प्रयागराज के मांडा थानाक्षेत्र के दयाशंकर तिवारी हत्याकांड के सभी चार आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष अभियुक्तों पर लगाए आरोप संदेश से परे साबित करने में नाकाम रहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा एवं न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की खंडपीठ ने दिया है। उम्र कैद की सजा पाए कमलेश तिवारी, राकेश तिवारी, नागेश्वर तिवारी और वेद मणि तिवारी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले के तथ्यों के अनुसार 17 दिसंबर 2010 को दया शंकर तिवारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जबकि उनका बेटा विधान चंद्र तिवारी गोली लगने से घायल हो गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से घायल गवाह विधान चंद्र ने अपनी गवाही में दावा किया था कि आरोपियों ने चुनावी रंजिश के कारण उनके घर में घुसकर हमला किया था। उन्होंने कहा कि गोली लगने के बाद दया शंकर तिवारी व विधान चंद्र तिवारी घर के भीतर गैलरी में गिर गए थे और उनके शरीर से काफी खून निकलकर फर्श पर फैल गया था। दावा किया कि खून लगने के कारण उसने अपनी जैकेट भी उतार दी थी। हालांकि मामले की जांच करने वाले पहले विवेचक ने अदालत के समक्ष गवाही में इस दावे का खंडन किया। विवेचक ने स्पष्ट रूप से कहा कि उसने घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान घर के अंदर गोली चलने का कोई निशान या दीवारों या छतों पर अंधाधुंध फायरिंग का कोई चिन्ह नहीं पाया। इसके विपरीत उसने बताया कि घटनास्थल के नक्शे में केवल एक स्थान पर खून मिला था, जिसे उसने शिकायतकर्ता के घर से 60 कदम दक्षिण की ओर स्थित बताया। विवेचक ने यह भी स्वीकार किया कि उसने घर के अंदर से खून का कोई नमूना नहीं लिया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में इस विरोधाभास को अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर करने वाला एक बड़ा कारण माना। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष घटना के वास्तविक स्थान को स्थापित करने में बुरी तरह विफल रहा है। गवाहों ने दावा किया कि घटना घर के अंदर हुई जबकि विवेचक के बयान और साइट प्लान के अनुसार घटना घर से काफी दूर हुई थी और खून के दाग भी वास्तव में घर के बाहर पाए गए थे। इन विरोधाभासों पर संदेह का लाभ देते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के दोषसिद्धि के आदेश को रद्द कर दिया और आरोपी कमलेश तिवारी, राकेश तिवारी, नागेश्वर तिवारी और वेद मणि तिवारी को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

धर्मेंद्र यादव बोले- माफियाओं को महंगी गाड़ी गिफ्ट की गई

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी का नकली कफ सिरप मुद्दा बुधवार को संसद में उठा। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने लोकसभा में कहा– यूपी, बंगाल, बिहार, मध्यप्रदेश में एक बड़ा रैकेट चल रहा है। एक साल से पीड़ित दर–दर भटक रहे हैं। कोई सुनवाई नहीं हुई। पूर्वांचल और बनारस के आसपास के जिलों में बड़ा खेल चल रहा है। साउथ अफ्रीका तक नकली कफ सिरप की सप्लाई हुई। कई बच्चे खत्म हो गए। उन्होंने नाम लिए बिना पूर्वांचल के माफियाओं पर निशाना साधा। कहा– जाति विशेष के माफिया इस रैकेट से जुड़े हुए हैं। इनमें कोई संवेदना नहीं है। बच्चे मरे तो मरें। बुजुर्ग मरे तो मरें। इनको पैसे मिलने चाहिए। अब तक 2000 करोड़ का कारोबार कर चुके हैं। जांच करा ली जाए। पूर्वांचल के माफियाओं को करोड़ों की गाड़ियां गिफ्ट की गईं। इनकम टैक्स में इनका कोई ब्योरा नहीं है। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। धर्मेंद्र यादव ने जोर देकर कहा– चिंता की बात इसलिए भी है कि पीएम मोदी जिस काशी से सांसद हैं। यूपी के सीएम महीने में 4–5 बार वहां का दौरा करते हैं। वहां इतना बड़ा रैकेट चलता रहा। बड़ी बदनामी हो रही है। वहीं, रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह ने सदन में वक्फ कानून का मुद्दा उठाया। कहा– सरकार की मंशा ठीक नहीं है। उम्मीद पोर्टल पर 30 प्रतिशत ही वक्फ संपत्तियां अपलोड हो पाई हैं। ये पोर्टल नहीं चल रहा है। कब तक मुसलमानों को इस तरह मुल्क में दबाया जाता रहेगा। जुल्म सहने की एक सीमा होती है।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/591 दिनांक 01.12.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-982-2025 | अनुमानित लागत : रू0 90,71,605.62

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के बम्हरौली, मनोहरगंज स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ऊंचे स्तर तक उठाने और मनोहरगंज स्टेशन पर नए एफओबी के प्रावधान के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।

बिड सुरक्षा राशि : रू0. 1,81,400.00 | कार्य अवधि : 12 महीना

बोली प्रणाली : एक पैकेट | निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 23.12.2025, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 23.12.2025, 15:00 बजे

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2324/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई–निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 26.12.2025 को 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.:– पीआरवाईजे– सिग–025–2025–26

कार्य का विवरण:– चुनार स्टेशन पर थर्ड लाइन के कार्य के कारण स्टेशन भवन के स्थानांतरण के संबंध में दूरसंचार का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹):– 77,89,487/– | बिड सिक्योरिटी (₹):– 1,55,800/–

निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹):– 0/– | कार्य समापन की अवधि:– 06 माह

निविदा बन्द होने की तिथि:– 26.12. 2025

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:– निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप:– निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरीटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरीटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा।
यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरीटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ०प्र० स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय–समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान:– निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई–निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता:– निविदा खुलने के 60 दिन तक

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार:– रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित / संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उसी प्रकृति के कार्य के लिए न्यूनतम:– फेबरीकेशन, सपलाई एण्ड एरेक्शन आफ टावर आफ 20 मीटर आर एबव हाइट इन मेन लाइन रेलवेज, मेट्रो रेलवेज, हाई स्पीड रेलवेज, एल आर टी, मेट्रो रेल, सबअर्बन ट्रान्जिट सिस्टम, पावर ट्रान्समीशन / डिस्ट्रीब्यूशन आर सेल्यूलर नेटवर्क्स।

2309/25(D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नियुक्ति प्रक्रिया में हिंदी शिक्षकों के साथ अन्याय

विश्वनाथससाल 2021के 5 फरवरी को 16,468 शिक्षको को टिव्यूटर शिक्षक के रुप मे असम सरकार तथा शिक्षा मंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा(वर्तमान के मुख्यमंत्री) के तत्वावधान में नियुक्त किया था। सरकार ने इस नियुक्ति प्रक्रिया को शिक्षा जगत का ष्ऐतिहासिक उपलब्धि ाष् कदम बताया गया। परंतु इस निर्णय के गहराई से पड़ताल में गंभीर सवाल उभरते है–सबसे पहले यह नियुक्ति प्रक्रिया विध ानसभा चुनावों से ठीक पहले हुई थी।जिससे इसकी राजनीति उद्देश्य साफ झलकती है।चयन प्रक्रिया में भी काफी सिकायते सामने आयी जिसमे असम सरकार के इस नियुक्ति प्रक्रिया में हिंदी शिक्षको के पद खघरिज किया गया।जो हिंदी शिक्षको के लिए बहुत ही दुखद एवं अमानवीयता रहा। राष्ट्र भाषा हिंदी और हिंदी शिक्षको के साथ अन्याय किया गया।

सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि अज्ञानता के अंधकार मिटाने वाले इन महान शिक्षको को मात्र सुबह से शाम तक निरंतर पाठदान के बदले घ10,800 प्रतिमाह वेतन प्रदान किए जा रहा है जो आज के महंगाई के दौड़ में जीवन निर्वाह के लिए अपर्याप्त है ।पुरे दिन विद्यालय में शिक्षा के बदले असम सरकार के शिक्षा विभाग ने एक साधारण मजदुर के बराबर बेतन दिया। यह न केवल शिक्षको के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है बल्कि शिक्षा को व्यावसायिक रुप में हतोत्साहित भी करता है।इस नियुक्ति प्रक्रिया को शिक्षा सुधार से ज्यादा राजनीति लक्ष्य का प्रयास माना गया। सन 2021 मे

नियुक्ति पत्र प्रदान करते समय शिक्षा मंत्री (वर्तमान के मुख्यमंत्री) आदरणीय डॉ हिमंत विश्व शर्मा जी ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही इन टिव्यूटर शिक्षको के वेतन बढ़ोत्तरी की जाएगी परंतु पांच साल बीत जाने के बाद भी इस मामले में सरकार ने इसके कोई

ठोस कदम नहीं उठाया।

इसके परिणामस्वरूप आज तक टिव्युटर शिक्षक समाज असंतोष और हताश जनखक जीवन जी रहा है।

यह न केवल आर्थिक अन्याय है बल्कि शिक्षक वर्गो के साथ मानवता का भी अमानवीयता परिणाम हुआ। आर्थिक अभाव के कारण गरीब शिक्षक अपने बच्चों को उच्च शिक्षा से वंचित रखने की विवश है। जो व्यक्ति दूसरों के बच्चो को भविष्य गढ़ता है, निर्माण करता है वें स्वयं के बच्चो को अंधकारमय देख रहा है–यह किसी भी संवेदनाशील समाज के लिए अत्यंत लज्जाजनक है । इसके अतिरिक्त असम सरकार ने अब अनुभवी टिव्यूटर शिक्षको को शिक्षक योग्यता परीक्षा (ज्मंबीमत म्सपहपइपसपजल ज्मेज) देने की मांग की है ।जिससे टिव्यूटर शिक्षकों के मन में गहरा मानसिक बोझ उत्पन्न हो रहा है।

तीस पैंतीस वर्ष तक निष्ठापूर्वक शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों के लिए यह निर्णय बेहद अपमानजनक और असंतोषजनक साबित होता है।

सबसे दर्दनाक पक्ष यह रहा कि जिन टिव्यूटर शिक्षक का सेवा काल में निधन हो गया है उनके परिवार जनो को कोई उचित आर्थिक सहायता या मानदेय नहीं दिया गया है। सरकार को चाहिए कि ऐसे क्षिशक के परिवारो को सम्मान जनक मुआवजा प्रदान करे ताकि परिवार सुरक्षित रहे और गरीबी से बच

सके। यह स्थिति और भी दुःखद हो जाती है कि जब पता चलता है कि (छचै –नई पैंशन योजना)जैसी सुविधाएं भी नहीं प्रदान किए जा रहे हैं।तीस पैंतीस वर्ष नौकरी करने के बाद सिर्फ घ12,000 (बारह हजार)वेतन पर अवकाश (त्मजपतम. उमदज) लेना होगा।

असम के मुख्य मंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा जी ने भले ही शिक्षा विकास की बातें करते हैं–पर जब तक शिक्षको उनका सामाजिक प्रतिष्ठित, सम्मानजनक बेतन नहीं दी जाएगी तब तक शिक्षा सुधार अधुरा ही रहेगा। शिक्षा व्यवस्था तभी मजबुत होगा जब शिक्षक आर्थिक रुप से सुरक्षित और संतोषजनक होंगे ,सामाजिक रुप से सम्मानित होंगे।मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा जी यदि वास्तव में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और ससक्त बनाना चाहते हैं तो शिक्षको को सम्मान, उचित बेतन पैंशन सुविधाएं के मान्यता प्रदान करना होगा। नही तो शिक्षा सुधार केवल एक भाषणो तक ही सीमित रहेगा।

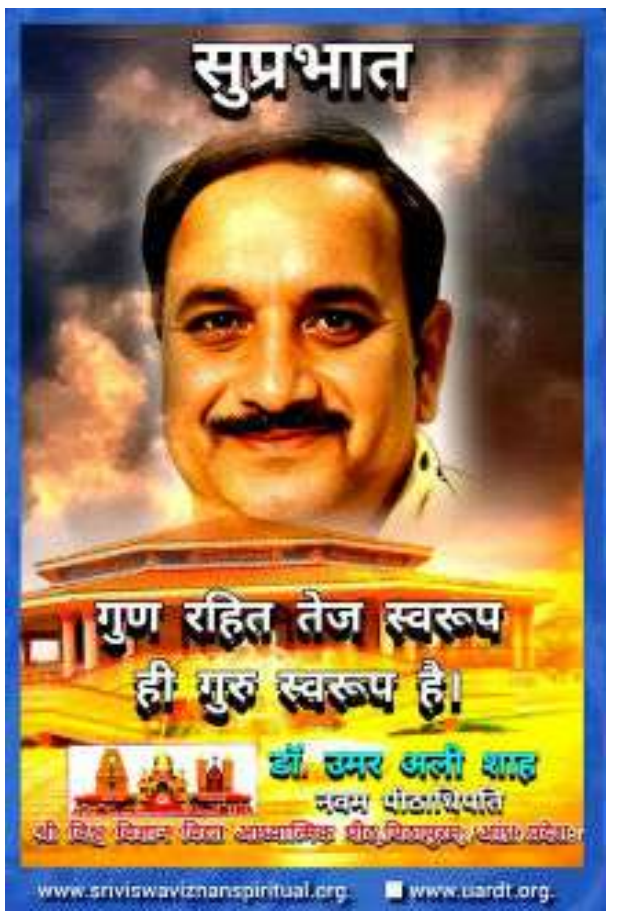

गुलदुपहरिया

सुन्दर प्यारा फूल है, गुलदुपहरिया नाम।
सूरज होता लाल जब, हँसकर करे प्रणाम।
हँसकर करे प्रणाम, लालिमा को यह भरकर।
पंखुरियों का रंग, गुलाबी पीला रँगकर।
सुन लो कहें प्रदीप, दवा बन पीड़ा हरकर।
पी गर्मी की धूप, फूल लगता है सुन्दर।।

दस बजिया या नौ बजी, इक ऐसा है फूल।
खड़ी दुपहरी में खिले, उड़ती है जब धूल।
उड़ती है जब धूल, और सूरज है तपता।
पीकर उसका ताप, धरा को शोभित करता।
सुन लो कहें प्रदीप, मरुस्थल हो या बगिया।
गर्मी मे भर रंग, खिल रहे हैं दस बजिया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर उत्तर प्रदेश में बड़ी कार्रवाई शुरू

सीएम योगी ने डिटेंशन सेंटर बनाने का दिया आदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू करते हुए राज्य के हर मंडल में निरुद्ध केंद्र बनाने के आदेश जारी कर दिये हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी शासी निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की विस्तृत सूची बनाने के निर्देश दिये हैं। यह सूची आगे की जांच के लिए संबंधित पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस आयुक्त को सौंपी जाएगी।उन्होंने बताया कि कार्ययोजना के तहत पहले चरण में पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस आयुक्त को सत्यापन प्रक्रिया के दौरान चिह्नित किये गये लोगों को रखने के लिए खास निरुद्ध केंद्र बनाने का निर्देश दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने राज्य के हर मंडल में निरुद्ध केंद्र बनाने के निर्देश दिये। इसके बाद प्रशासनिक तंत्र ने त्वरित कार्रवाई शुरू की है। कई जिलों में सत्यापन, दस्तावेजीकरण और क्षेत्रीय आकलन के कार्य शुरू किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने 22 नवंबर को राज्य के सभी जिलाधिकारियों को घुसपैठियों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे और कहा था कि घुसपैठियों को रखने के लिए हर जिले में अस्थायी हिरासत केंद्र बनाए जाएं। उन्होंने कहा था कि कानून एवं व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द उनकी शीर्ष प्राथमिकताएं हैं और किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में अवैध रूप से रह रहे लोगों को इन निरुद्ध केंद्रों में रखा जाएगा और जरूरी सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने तक उन्हें वहीं रखा जाएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि निरुद्ध केंद्रों में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के मुताबिक उनके देशों में वापस भेजा जाएगा। सीएम योगी के आदेश के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई है। अधिकारी पुलिस टीम के साथ झुग्गियों में पहुंचकर जांच कर रहे है, वहां के निवासियों के आधार कार्ड, वोटर कार्ड समेत अन्य कागजात देखे जा रहे हैं। संदिग्ध लोगों की नागरिकता की जांच भी की जा रही है। ऐसे में जो व्यक्ति घुसपैठिया मिलेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी निश्चित हो गई है।

गोशालाओं का नियमित निरीक्षण करें अधिकारी

गोशालाओं में बनी रहे गोवंश हेतु हरे चारे, ठंड से बचाव, तिरपाल, औषधियां, पेयजल आदि की पर्याप्त उपलब्धता

योगी सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध– सिंह

लखनऊ, संवाददाता। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विगत एक सप्ताह में प्रदेश के सभी गोआश्रय स्थलों पर व्यवस्थाओं के संबंध में जनपदीय नोडल अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण और उनके द्वारा प्रस्तुत निरीक्षण आख्या की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। अधिकारी नियमित रूप से गोशालाओं का निरीक्षण करते रहें। गोशालाओं में प्रकाश सोलर लाइट की व्यवस्था आवश्यक रूप से की जाए। गोवंश हेतु हरे चारे, ठंड से बचाव, तिरपाल, औषधियां, पेयजल आदि की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। प्रत्येक गोशाला पर सीसीटीवी क्रियाशील कराये जाए और वृहद गोसंरक्षण केन्द्रों पर ड्रोन के उपयोग की संभावनाओं पर विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। निराश्रित गोवंश संरक्षण हेतु संचालित गोआश्रय स्थलों के संचालन, प्रबंधन तथा संरक्षित गोवंश के भरण पोषण, पराली संग्रहण के पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन तथा जनपदों में एलएसडी बीमारी के संक्रमण की रोकथाम नियंत्रण तथा दुग्ध समितियों के संचालन की स्थिति की मण्डलवार गहन समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जनपद अयोध्या में सभी गोआश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। अधिकांश स्थलों पर पराली संग्रहण किया जा रहा है। बाराबंकी में संरक्षित गोवंशों के सापेक्ष भरण पोषण हेतु पर्याप्त मात्रा में भूसा, साइलेज, पशु आहार एवं हरा चारा तथा शीघ्र रूप से बचाव के उचित प्रबंध पाये गये है। कासगंज में हरे चारे उपलब्ध है व साइलेज की उपलब्धता नहीं है। अस्थायी गोआश्रय स्थल मण्डी समिति में अतिरिक्त शेड की आवश्यकता है। हापुड़ में ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा गोआश्रय स्थलों का नियमित भ्रमण नहीं किया जा रहा, जिस कारण गोवंशों को प्रचुर मात्रा में हरा चारा, दाना, भूसा इत्यादि उपलब्ध नहीं हो पा रहा है एवं अवशेष निराश्रित गोवंश यत्र तत्र विचरण करते दिखे। जनपद महराजगंज में गोआश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे संचालित नहीं पाये गये। कानपुर देहात में मैथा ब्लाक अंतर्गत गोआश्रय स्थलों में गोवंशों को हरा चारा नहीं खिलाया जा रहा है और अभिलेख पूर्ण नहीं पाये गये। जनपद प्रतापगढ़ में पशुआहार का टेण्डर नहीं हुआ है और गोआश्रय स्थलों पर साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गयी। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जहां कमी पाई गई है वहां निराश्रित गोवंश की बेहतर देखभाल, रखरखाव को दुरूस्त किया जाए। ठंड से किसी गोवंश की मृत्यु न हो पशुचिकित्साधिकारी गौ आश्रयस्थल पर जाकर गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

टूंडला जंक्शन पर चेकिंग अभियान में पकड़े गए 10 अवैध वेंडर

प्रयागराज। मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए मण्डल रेल प्रबन्धक, श्री रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक कोचिंग, श्री हरिमोहन के नेतृत्व में यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रयागराज मंडल के स्टेशनों पर बिना टिकट यात्रा एवं अवैध वेंडरों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 02.12.2025 को उप मुख्य यातायात प्रबंधक टूंडला, श्री अमित आनंद के सुपरविजन में टूंडला जंक्शन पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक एवं स्टेशन अधीक्षक टूंडला ने टीम के साथ चेकिंग अभियान चलाया गया । इस चेकिंग अभियान के दौरान 10 अनाधिकृत वेंडरों को खाद्य वस्तुओं का विक्रय करते हुए पकड़ा गया । अग्रिम कार्यवाई के लिए पकड़े गए वेंडरो को रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द कर दिया गया।

इस अभियान में टूंडला रेलवे स्टेशन पर संचालित खानपान स्टालों पर खानपान व्यवस्थाओं एवं खानपान सामग्री को चेक किया गया । यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में मुख्यता खानपान सामाग्री पर ओवर चार्जिंग एवं अनाधिकृत रूप से खानपान सामग्री विक्रेताओं को पकड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएं, कूड़ा कूड़ेदान में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें । केवल अधिकृत एवं आईआरसीटीसी द्वारा अनुमोदित वेंडरों से ही खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थ क्रय करें । किसी भी अवैध विक्रेता की जानकारी तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 या

निकटतम रेलवे अधिकारी को दें । रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है।

भयहरण नाथ धाम में वार्षिक अधिवेशन कल

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में विश्व स्वयं सेवक दिवस पर गत वर्षो की भाँति वार्षिक अधिवेशन 5

दिसंबर को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक होगा। अधिवेशन में धाम की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम की वार्षिक कार्य योजना तय होगी। धाम के महासचिव समाज शेखर के संयोजन में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में पदेन संरक्षक विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल व नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। सभी सभासद तथा क्षेत्रीय पंचायत प्रतिनिधि गण व पुलिस विभाग तथा राजस्व विभाग के प्रतिनिधि भी प्रतिभाग करेंगे। सबके लिए खुला है मंदिर है यह हमारा ष के सिद्धांत पर सनातन धर्मावलंबियों को नई सदस्यता व पुरानी सदस्यता का नवीनीकरण भी हो सकेगा। सदस्य व पदाधिकारी क्षेत्र व समाज की किसी सबसे महत्वपूर्ण विषय के समाधान पर भी जन सहयोग व लोक भागीदारी की व्यवहारिक योजना पर भी सम्यक विचार कर निर्णय लिया जायेगा।

जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट और दिव्य गंगा सेवा मिशन, हरिद्वार के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

यह साझेदारी शैक्षणिक लक्ष्य को और अधिक व्यापक बनाएगी : प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय

एमओयू दोनों के संयुक्त प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा : केशव पाण्डेय

चित्रकूट। जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट (उ.प्र.) और दिव्य गंगा सेवा मिशन, हरिद्वार (उत्तराखंड) के बीच शैक्षणिक, सांस्कृतिक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण सहमतिपत्र (डवन) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता विश्वविद्यालय के सभी छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए नए अवसर खोलने वाला सिद्ध होगा।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय, रजिस्ट्रार मधुरेन्द्र कुमार पर्वत तथा नोडल अधिकारी (डवन) डॉ. रजनीश कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। वहीं दिव्य गंगा सेवा मिशन की ओर से केशव पांडेय (राष्ट्रीय संयोजक) और शिवेश्वर पांडेय (राष्ट्रीय समन्वयक) ने सहमतिपत्र पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने कहा कि यह एमओयू हमारे

विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के लिए बहुआयामी विकास के नए द्वार खोलता है। दिव्य गंगा सेवा मिशन के साथ मिलकर हम शैक्षणिक, सांस्कृतिक और शोध के स्तर पर ऐसे कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे जो विद्यार्थियों के कौशल, ज्ञान और व्यक्तित्व विकास को नई दिशा देंगे। यह साझेदारी हमारे शैक्षणिक लक्ष्य को और अधिक व्यापक बनाएगी।

दिव्य गंगा सेवा मिशन के राष्ट्रीय संयोजक केशव पांडेय ने इस अवसर पर कहा कि हमारा उद्देश्य शिक्षा, संस्कृति और समाजसेवा के क्षेत्रों में ऐसे ठोस कार्यक्रम विकसित करना है जो युवाओं को सशक्त और समर्थ बना सकें। यह एमओयू मिशन और विश्वविद्यालय दोनों के संयुक्त प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। हम मिलकर छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्रशिक्षण, शोध एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अनेक अवसर तैयार करेंगे।

एमओयू के के अनुसार दोनों संस्थाएँ निम्न क्षेत्रों में सहयोग करेंगी

छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के संयुक्त शैक्षणिक भ्रमण, शोध परियोजनाएँ, इंटर्नशिप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम। पुस्तकों, शोध प्रकाशनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शैक्षणिक सामग्री, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, व्याख्यान–प्रदर्शनियों, सम्मेलनों का आपसी आदान–प्रदान। विशिष्ट विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान। पारस्परिक दायित्वों के अनुरूप संयुक्त शैक्षणिक, शोध एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ। शोध कार्यों हेतु आवश्यक सुविधाएँ और सहयोग उपलब्ध कराना।

यह समझौता शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक विकास के क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को नई दिशा प्रदान करेगा तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा।

दिव्यांगजनों को विकास भवन में किया ट्राईसाइकिलों का वितरण

मुजफ्फरनगर। दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया है कि आज विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विकास भवन में माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग के उपरांत ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। ट्राईसाइकिल वितरण के समय श्री शक्ति सरन श्रीवास्तव, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं सुश्री दीक्षा उपाध्याय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी एवं दोनों कार्यालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी आर्ट सेलिब्रिटी का प्रीमियर 4 दिसंबर को

आर्ट सेलिब्रिटी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारत से एकमात्र रवीन्द्र कुशवाहा आमंत्रित कलाकार

प्रयागराज। आर्ट सेलिब्रिटी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ज्योतिकृति आर्ट ऑरनाइजेशन के मीडिया प्लेटफॉर्म पर 4 दिसंबर को होगी। यह प्लेटफॉर्म एक इंटरनेशनल शोकेस है जिसमें दुनिया भर के 16 देशों के 25 के विख्यात कलाकार शामिल हैं यह भव्य प्रदर्शनी ज्योति सैनी सिद्दीकी द्वारा क्यूरेट की गई है, जो कल्चरल डायलॉग और क्रिएटिव एक्सचेंज के लिए कमिटेड एक ग्लोबल आर्ट प्लेटफॉर्म की ऑर्गेनाइजर हैं। यह प्रदर्शनी एशिया, यूरोप, अफ्रीका, नॉर्थ अमेरिका और साउथ अमेरिका जैसे महाद्वीप से आर्टिस्टिक आवाजों को एक साथ लाती है, जिसमें पार्टिसिपेटिंग आर्टिस्ट एंड्रिया स्टैनिक, अलेक्जेंडर मोंटिला, अनामिका शबनम, एंजेल्स एम. पोमाटा, अजनीता एम डी, यूसुफ, बेला अट्टिला माज्को, ब्रूनो लौरेइरो, डालिबोर दाडो सेटकोविक, निकी ली, जुआन मैनुअल अविना कास्टानेडा, ज्योति सैनी सिद्दीकी, लकी लोहान, मारिजाना वुकोविक, मायरा लिटुआनिया, मीना साद, मिशेल काजेमी, परिमा हेदरी, रवीन्द्र कुशवाहा, रेगन श्नाइडर, रूबी पेट्रीसिया फेरर, शेरिफ अब्देलकादर, ट्रिना बैचलर, डानिया एगुइरे, मौरेल कोर्टेस सिएरा, बोध राज बलधोत्रा रिप्रेजेंट कर रहे हैंरू जो इंडिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, स्पेन, मेक्सिको, ग्वाटेमाला, मिस्र, नाइजीरिया, ईरान, कनाडा, पुर्तगाल, मोंटेनेग्रो, क्रोएशिया, ताइवान, ऑस्ट्रिया, वेनेजुएला के 16 देशों के 25 विख्यात कलाकारों की शानदार कलाकृतियां प्रदर्शित होगी।

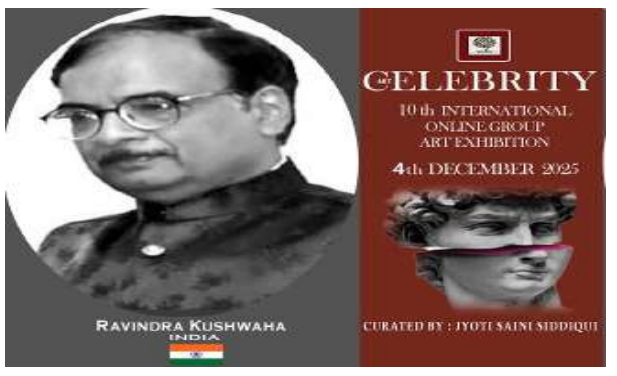

सम्पादकीय.....

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत–फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा–तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक–तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय–सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र–निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ–स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान–निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य–दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो–तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

असम का गर्व

असम है प्राकृतिक सौदर्यों से भरा,
यहाँ बहती है बह्मपुत्र की धारा।

असम है वीर लाचित की धरती,
माँ कामख्या की कृपा यहाँ बरसती।

असम खनिजों से भरी धरती है,
डिगबोई और डिब्रूगढ़ की धरती कच्चा तेल उगलती है।

असम की धरती चाय की खुशबू से महकती है,
सकल विश्व को चाय की चुस्की देती है।

शोणितपुर थी राजा बाण की राजधानी,
असम में मिलती श्रीमंत शंकरदेव की वाणी।

लक्ष्मीनाथ वेजबरूवा असमिया साहित्य की है जान,
ज्योति प्रसाद अग्रवाला है असमिया चलचित्र की पहचान

सुधाकंठ के रूप में भूपेन दा को सब जानते हैं,
जुबिन दा को संगीत के क्षेत्र में कौन नहीं पहचानते हैं?

जुबिन दा आप हर असमवासी के दिलों में बसते हैं,
हम सभी असमवासी आपको दिल से नमन करते हैं।

सुजीत कुमार शर्मा
विश्वनाथ चारिआली
9085706217

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर बदलने की निपूर्णता ने भारत को अग्रणी प्रकाश स्तंभ बनाया

संजीव ठाकुर

भारत वह भूमि है जहाँ सात सौ से अधिक भाषाएँ, बीस हजार से अधिक बोलियाँ, अनेक धर्म, पंथ, समुदाय, विविध वस्त्र, विविध पर्व और विविध संस्कृतियों का महासागर मौजूद है।

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर में बदलने की अद्भुत निपुणता ने आज भारत को विश्व शक्ति के शिखर पर स्थापित कर दिया है, यही कारण है कि विश्व समुदाय भारत को केवल एक भूगोल, विशाल जनसंख्या या बाजार के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि उसे एक जीवंत सभ्यता, विचार, संस्कृति, तकनीकी क्षमता और आर्थिक परिवर्तन के अद्वितीय मॉडल के रूप में समझने लगा है। भारत वह भूमि है जहाँ सात सौ से अधिक भाषाएँ, बीस हजार से अधिक बोलियाँ, अनेक धर्म, पंथ, समुदाय, विविध वस्त्र, विविध भोजन, विविध पर्व और विविध संस्कृतियों का महासागर मौजूद है, परंतु फिर भी इन सभी विविधा धाराओं को एक सशक्त राष्ट्र–चेतना में बाँधने वाली सत्ता हैकृएकता की अदृश्य परंतु अटूट डोर। यही एकता भारत की आत्मा है, यही उसके अस्तित्व की पहचान है और यही संघर्षों में उसकी शक्ति बनकर उभरती रही है। इतिहास इसका साक्षी है कि जब–जब संकट आया, जब–जब विदेशी आक्रमणकारी आए, जब–जब विभाजनकारी शक्तियों ने इस राष्ट्र की जड़ों को हिलाने का प्रयास किया, तब भारत ने टूटने के बजाय और अधिक मजबूत होकर उठना सीखा। स्वतंत्रता के बाद जब नवनिर्माण की चुनौती सामने थी, तब अनेक विदेशी विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इतनी विविधताओं वाला देश पाँच–दस वर्षों में टूट जाएगा, लेकिन भारत ने यह सिद्ध किया कि इसकी विविधता विभाजन नहीं, सामर्थ्य हैय इसकी बहुलता अस्थिरता नहीं, बल्कि प्रगति का आधार है। संविधान निर्माताओं ने ऐसा लोकतांत्रिक ढाँचा तैयार किया जिसमें विचारों का सम्मान, धर्मनिरपेक्षता, समान अधिकार, भाषाई और सांस्कृतिक स्वतंत्रता और नागरिक सम्मान का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सशक्त लोकतंत्र बनाया। आज जब विश्व के कई बड़े देशों में सामाजिक तनाव और राजनीतिक अस्थिरता है, तब भारत में 145 करोड़ नागरिकों का एक लक्ष्य, एक दिशा और एक ध्येय हैकृविकास और वैश्विक नेतृत्व। चुनौतियों को अवसर में बदलने की भारत की क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण कोरोना महामारी रही। जब विश्व की महाशक्तियाँ स्वास्थ्य संकट से टूट रही थीं, तब भारत ने न केवल सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाया, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भेजकर मानवता का धर्म निभाया। इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं, सीमाई चुनौतियों, और आंतरिक सामाजिक तनावों के समय भारत ने संयम, धैर्य और सामूहिक सहयोग से समाधान खोजने की विलक्षण परंपरा दिखाई। वर्तमान में भारत की उपलब्धियाँ यह प्रमाणित करती हैं कि यह राष्ट्र केवल संघर्षों से जूझता नहीं, बल्कि उनसे चमकता है। चंद्रयान–3 की अभूतपूर्व सफलता, गगनयान और सूर्ययान मिशन, डिजिटल इंडिया के कारण विश्व में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश, स्टार्टअप इंडिया के कारण सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप अर्थव्यवस्था, जी–20 में भारत की अध्यक्षता और अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाकर वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व, रक्षा और तकनीक में आत्मनिर्भरता, और 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की तेज गतिकृये सब इस बात के प्रमाण हैं कि भारत केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि नवोन्मेष का प्रतीक बन चुका है। आज विश्व यह मान चुका है कि भारत की शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक संसाधनों में ही नहीं, बल्कि उसके सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता, आध्यात्मिक संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में निहित है। भारत की एकता मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्चों, बौद्ध विहारों के बीच संतुलन के मंत्र से नहीं, बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्'कृ'विश्व एक परिवार है' की भावना से संचालित होती है। यही कारण है कि जब कोई शक्ति भारत को जाति, धर्म या भाषा के नाम पर बाँटने का प्रयास करती है, तब भारतीय समाज अपनी परंपरा के अनुरूप और अधिक दृढ़ होकर खड़ा हो जाता है और कहता है कि हम पहले भारतीय हैं, उसके बाद कुछ और यही वह आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना है जिसने भारत को केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि शक्ति और आशा का प्रकाश स्तंभ बना दिया है। यही वह दिव्य तेज है जिसने भारत को अग्रणी बनाया है उज्ज्वल, तेजस्वी, प्रखर, अजेय और जगत को दिशा देने वाला। आने वाला समय निर्विवाद रूप से भारत का समय है, और आने वाली सदी भारत की सदी होगी, क्योंकि यह देश हर चुनौती को अवसर और हर संघर्ष को विजय में बदलना जानता है। यही भारत की पहचान है, यही भारत का गौरव है, और यही वह ऊर्जा है जो भारत को विश्व गुरु बनाकर उभार रही है।

प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता

प्रेम शर्मा

प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता की भावनाएँ पैदा करती हैं। दीर्घकालिक परिणामों में अभिघातज–पश्चात तनाव विकार जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ शामिल हो सकती हैं।सामाजिक अलगावरू आपदाएँ लोगों को उनके पारंपरिक सामाजिक नेटवर्क और समर्थन प्रणालियों से अलग कर सकती हैं, जिससे अलगाव की भावना बढ़ जाती है। जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलावा, लोग अपनी आजीविका खो देते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से भी जूझना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। यहाँ तापमान बढ़ा रहा है, बारिश को अनियमित कर रहा है, जिससे बाढ़ और सूखा आ रहा है। भूजल स्तर गिर रहा है और किसान कर्ज में डूब रहे हैं। पिछले कुछ समय से सर्दी, बारिश, गर्मी का मौसम अपने निर्धारित समय से ईतर आज जा रहा है। कितने दिन गर्मी, कितने दिन, सर्दी और कितने दिन बारिश होगी अब यह कोई निश्चित नही रहा। इसका असर भी प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है।सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, लेकिन उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। ऐसे में त्वरित रूपपर्यावरण और रोजगार को साथ जोड़ना होगा। इसका हालियॉ उदाहरण श्रीलंका में दितवाह साइक्लोन ने भारी तबाही मचाई। इसका असर भारत आध्रपदेश और पुडुचेरी और तमिलनाडु में देखा गया। चक्रवाती तुफान सेन्यार और दितवाह ने दक्षिणपूर्व एशिया के कई देशों में हाल के वर्षों की सबसे विनाशकारी बाढ़ ला दी। श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम,थाईलेण्ड और मलेशिया में लाखों लोग आपदा से प्रभावित हो चुके है। 21वीं सदी में मानव सभ्यता के सामने जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन करोड़ों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। गरीबी अब केवल आय की कमी नहीं रही, इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, ऊर्जा, आवास और जल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी भी शामिल है। भारत आज जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, बार–बार आने वाली बाढ़ और सूखा अब सामान्य हो चुके हैं। सबसे चौकाने वाला तथ्य यह कि भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बीते दो दशकों में भारत का औसत तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। यह मामूली आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और जीविका, दोनों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।वैसे भी भारत के लगभग 60 प्रतिशत जिले किसी न किसी रूप में जलवायु संवेदनशील क्षेत्र घोषित किए जा चुके हैं। बुंदेलखंड, विदर्भ, मराठवाड़ा, राजस्थान, बिहार और झारखंड जैसे क्षेत्र लगातार सूखे और जल संकट से जूझ रहे हैं। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य अतिवृष्टि और भूस्खलन से प्रभावित हैं। एक तरफ किसान की फसलें सूखे में झुलस जाती हैं, दूसरी ओर असम और बिहार में बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती है। दूसरी तरफ देश के 60 प्रतिशत से अधिक जिलों में भूजल स्तर लगातार गिरावट पर है। महाराष्ट्र का विदर्भ, कर्नाटक का उत्तरी भाग, मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र, बिहार–झारखंड के पठारी इलाके – सभी जल संकट से जूझ रहे हैं। राजस्थान और हरियाणा के कई हिस्सों में जल स्तर 10 से 20 मीटर तक नीचे चला गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण ही पिछले कुछ समय से उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर–पूर्वी राज्यों में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। दूसरी तरफ 16 प्रतिशत अधिक अतिवृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति देखी जा रही है।जलवायु परिवर्तन के चलते नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 23 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं। इनमें से अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। जो कृषि पर निर्भर है। क्योकि हर साल फसल नष्ट होने, सिंचाई की कमी और जलवायु अस्थिरता के कारण किसान कर्ज के चक्र में फंस रहे हैं। विश्व बैंक का मानना है कि यदि जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो 2030 तक भारत की 5 प्रतिशत आबादी और गरीबी रेखा के नीचे जा सकती है। भारत सरकार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नैशनल एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा मिशन और जलवायु–सहनशील कृषि नीतियों जैसी कई पहल की हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का संदेश देकर वैश्विक सहयोग की दिशा में नेतृत्व भी किया है। लेकिन, इन योजनाओं के साथ दिक्कत ये है कि इन पर बहुत अधिक पैसा खर्च हो रहा है। कई बार यह पैसा केवल संरचनात्मक या औपचारिक खर्चों में चला जाता है। यहॉ गोर तलब है कि वर्तमान में भारत की 60 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। उसे जलवायु बजट का एक बड़ा हिस्सा युवाओं के रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय आजीविका संसाधन निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए था। पर्यावरण की रक्षा और रोजगार सृजन को एक साथ जोड़ने की जरूरत है – जैसे जल संरक्षण, सोलर ऊर्जा, हरित कृषि, जल–प्रबंधन और वनीकरण के क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करना। इससे जलवायु संकट से मुकाबला आसान होगा होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी। यही नही स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन, टिकाऊ कृषि, रोजगार सुरक्षा और सामुदायिक जागरूकता को प्राथमिकता दिए बिना जलवायु संकट और गरीबी के दोहरे जाल से निकलना मुश्किल है। समाज में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। हमें सत्त पोषणीय विकास की ऐसी परिकल्पना करनी होगी, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय तीनों का संतुलन बना रहे। सरकार को समझना होगा कि जलवायु योजनाओं पर बढ़ता बजट तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।प्राकृतिक आपदा से जूझते लोग शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरते हैं, जिसमें जीवन, घर और आजीविका का नुकसान शामिल है। इस तरह की आपदाएँ अक्सर लोगों को भय, दुख और अनिश्चितता की स्थिति में डाल देती हैं, जिससे सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में, तुरंत मदद पाने और दीर्घकालिक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है। शारीरिक नुकसानरू लोग अपनी जान, मवेशी और फसल खो देते हैं।

वंदे मातरम्

अनवार अब्बास नकवी

मैं बुनियादन उर्दू अंग्रेजी और थोड़ा बहुत फारसी से वाबस्ता रहा हूँ,बाद में जब मुझे लगा कि मुझे हिंदी भी आनी चाहिए तो मैंने जरूरत भर की हिंदी भी सीख ली,लेकिन मैं हिंदी पर महारत का दावेदार नहीं हूँ। जहाँ तक मैं छान फटक कर सका हूँ उसी के भरोसे यह लिख रहा हूँ कि हिंदी जबान में राएज लफ्ज ष्वंदनष संस्कृत का है। वंदन कहते हैं स्तुति और प्रशंसा को जिसके उर्दू मुआनी तौसीफ और तारीफ हैं,परसतिश,इबादत या बंदगी हरगिज नहीं हैं,संस्कृत और हिंदी में परसतिश,इबादत या बंदगी के लिए ष्आराधनाष इस्तेमाल होता है।

इसी तरह हिन्दी में इस्तेमाल होने वाले लफ्ज ष्पूजाष के लिए उर्दू लफ्ज ताजीम है।हिन्दी का लफ्ज पूजा अपने मुआनी में आराधना से बिल्कुल अलग है भले ही लोग इसे आराधना के मुआनी में भी इस्तेमाल कर लेते हों। कघबिले गौर यह है कि आराधना में पूजा शामिल हैं मगर पूजा में आराधना शामिल नहीं है, माँ,गुरु,माध्यम,प्रतीक सब पूजनीय वंदनीय हैं,आराधनीय नहीं है मगर परमात्मा वंदनीय भी है,पूजनीय भी है आराधनीय भी है।

हिंदी में भक्ति कहते हैं परसतिश या ताजीम की बुनियाद पर परमात्माध्खुदा या माध्यमध्वसीला ओर प्रतीकध अलामत में एतकधाद रखने,उनका एहतेराम करने, उनकी पनाह,सुपुर्दगी या हवालगी में जाने के अमल को। देश भक्ति, गुरु भक्ति कहते हैं एहतेराम,अकधिदत और मुहब्बत के साथ मुल्क या गुरु की पनाह, हवालगी,सुपुर्दगी में रहने के अमल को।

जन गण मन हमारे मुल्क का कधैमी तरानाध्गान है और वंदे मातरम कधैमी नग्माध्गीत है हमारे मुल्क का। जन गण मन आम तौर पर सब का सुना गाया हुआ कधैमी तराना है जो कि जियादातर शहरियों को याद भी है क्योंकि यह कम से कम साल में दो बार एहतेराम के साथ मुल्क में गाया सुना जाता है। कधैमी नग्मा वंदे मातरम का एहतेराम भी उसी कघ्दर है अल्बत्ता वह लोगों को उस औसत से जबानी नहीं याद जिस औसत से कधैमी तराना याद है।

वंदे मातरम् कहने न कहने को लेकर अक्सर जो सियासत होती रहती है वह सियासत के अलावा कुछ भी नहीं। इस वकघ्त मुझे पूरे गीत पर बात न करते हुए सिर्फ ष्वंदे मातरमष के तरजुमे पर ही लिखना है। वंदे मातरम् का हिंदी अर्थ केवल यही है कि मैं तेरी स्तुति,तेरी प्रशंसा, तेरा सम्मान करता हूँ माँ जिसका उर्दू मतलब कुल यही है कि मैं तेरी तौसीफ, तारीफ और ताजीम करता हूँ माँ! हम भारत के लोग मानते हैं कि गीत में माँ से मुराद हमारे वतन की यह माँ जैसी सर जमीने है, जिसकी ममता के आंचल तले हम सभी भारतीय,उसके बच्चों का दर्जा रखते हैं।

वंदे मातरम् के तरजुमे में तो कोई ऐसी बात नहीं है जिस से किसी को दीनी अंदेशा या खघ्तरा लाहकघ हो और न ही इसके याद होने न होने,कहने न कहने से किसी भारत के शहरी की कघैमियतध्राष्ट्रीयता पर कोई असर पड़ता है,मगर इस तराने का एहतेराम भारत के शहरियों पर जरूरी है,यही बात सुप्रीम कोर्ट ने भी कही है जिस पर अमल किया जाना चाहिए,कघैमी गीत पर किसी भी तरफ से सियासत अच्छी नहीं है।

अहान पांडे और अनीत पड्डा ने किया कमाल, IMDb 2025 के सबसे पॉपुलर इंडियन स्टार्स की लिस्ट में सुपरस्टार्स को पछाड़ा

IMDb ने अपनी इस साल की सबसे पॉपुलर इंडियन स्टार्स की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में शाहरुख, आमिर, दीपिका और रणबीर जैसे बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। बड़े और नामी स्टार्स को पीछे छोड़कर इस बार दो बिल्कुल नए चेहरों अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बाजी मारी है। यह सब कमाल मोहित सूरी की सुपरहिट फिल्म 'सैयारा' का है। इस रोमांटिक–एक्शन फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी और 580 करोड़ से ज्यादा की कमाई करके कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसी फिल्म की बदौलत IMDb की लिस्ट में अहान नंबर 1 और अनीत नंबर 2 की पोजीशन पर आ गए हैं और रातों–रात इंटरनेट के नए डार्लिंग बन गए।

टॉप 10 की लिस्ट में और भी कुछ सरप्राइज हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर सुपरस्टार आमिर खान हैं, जिन्होंने इस साल शसितारे जमीन परश से वापसी की। नए चेहरों में लक्ष्य (द बैड्स ऑफ बॉलीवुड) और मलयालम सनसनी कल्याणी प्रियदर्शन (लोका चौप्टर वन) ने भी अपनी जगह बनाई है। यह लिस्ट प्डक्इ पर दुनिया भर के 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की सर्च और पेज विजिट के हिसाब से तैयार की गई है।

स्टार्स क्या बोले?

नंबर 1 का ताज पहनने के बाद अहान पांडे ने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है। अपनी पहली फिल्म के साथ प्डक्इ की टॉप लिस्ट में आना सपने के सच होने जैसा है। अब मुझे अपने काम की जिम्मेदारी और भी ज्यादा महसूस हो रही है।

अनीत पड्डा ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, IMDb पर इतनी बड़ी पहचान मिलना अब भी थोड़ा अजीब लग रहा है। सैयारा ने मेरी लाइफ को बदल दिया है। दुनिया भर के लोगों का मेरे काम से जुड़ना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

ये दोनों यंग स्टार्स अब बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए तैयार हैं।

> IMDb ने अपनी इस साल की सबसे पॉपुलर इंडियन स्टार्स की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में शाहरुख, आमिर, दीपिका और रणबीर जैसे बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। बड़े और नामी स्टार्स को पीछे छोड़कर इस बार दो बिल्कुल नए चेहरों अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बाजी मारी है।

अहान पांडे जल्द ही अली अब्बास जफर की एक एक्शन फिल्म में दिखेंगे, जबकि अनीत हॉरर कॉमेडी श्शक्ति शालिनीश के लिए मैडॉक के साथ काम करती दिखेंगीं।

अपने कपड़ों, मेकअप को कभी दोष मत दो! ऐश्वर्या राय ने लड़कियों को बताई पते की बात, कहा–स्ट्रीट हैरेसमेंट तुम्हारी गलती..

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन यूं तो अक्सर अपने लुक्स या पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस ने सड़क पर होने वाली छेड़छाड़ (स्ट्रीट हैरेसमेंट) के खिलाफ लड़कियों को ऐसा ज्ञान दिया है, जिसके बाद उनकी खूब तारीफ हो रही है। यह मैसेज उन्होंने लोरियल पेरिस के जंदक न्च ट्रेनिंग कैंपेन के लिए बनाए गए वीडियो में शेयर किया। लोरियल पेरिस के जंदक न्च ट्रेनिंग कैंपेन के दौरान ऐश्वर्या राय ने महिलाओं से कहा कि वे किसी भी तरह की छेड़छाड़ के लिए खुद को दोष न दें। वीडियो में एक्ट्रेस कहती हैं–स्ट्रीट हैरेसमेंट... उससे कैसे निपटें? आंखें झुकाकर? नहीं। प्रॉब्लम का आंख मिलाकर सामना करें। सिर ऊंचा रखें। मेरा शरीर, मेरी पहचान, मेरी कीमत, इन पर कभी समझौता मत करो। खुद पर शक मत करो। अपने लिए खड़े हो। अपने कपड़ों या मेकअप को दोष मत दो। स्ट्रीट हैरेसमेंट कभी भी आपकी गलती नहीं होती। ऐश्वर्या का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स उनकी बात पर सहमति जताते हुए उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे जागरूकता बढ़ाने वाला और जरूरी मैसेज बताया। वर्क फ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या आखिरी बार मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवनरू पार्ट 2 में देखा गया था, जिसने दुनियाभर में 344 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

गौरी का हाथ थामे एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए आमिर खान, गर्लफ्रेंड संग दिखी कमाल की बॉन्डिंग

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दो तलाकों के बाद एक्टर इन दिनों गौरी स्प्रैट को डेट कर रहे हैं। आमिर ने हाल ही में अपने इस रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया था, जिसके बाद से दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है। वहीं, हाल ही में फिर कपल को मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ स्पॉट किया गया, जहां कपल ने मीडिया के लिए कैंडिड पोज भी दिए। आमिर और गौरी जैसे ही एयरपोर्ट पहुंचे, दोनों ने हाथ थामे पैपराजी के सामने पोज दिए। उनकी केमिस्ट्री देखकर फैंस भी काफी एक्साइटेड नजर आए। गौरी स्प्रैट के लुक की बात करें तो इस दौरान वह बेहद सिंपल और मॉडर्न अंदाज में दिखाई दीं। उन्होंने प्रिंटेड शर्ट के साथ डेनिम जींस पहनी। लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने शूज, मैचिंग हैंडबैग और साइड में चोटी बनाई। पूरे आउटफिट के साथ उनका मिनिमल मेकअप और नेचुरल स्टाइल उन्हें और भी खूबसूरत दिखा रहा था। वहीं, आमिर खान हमेशा की तरह बिल्कुल सहज और सिंपल लुक में नजर आए। उन्होंने ग्रे टी–शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी। साथ ही चेहरे पर चश्मा उनका क्लासी टच बढ़ाता दिखा। आमिर और गौरी दोनों का ये अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। फिल्मों की बात करें तो आमिर खान को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सितारे जमीन पर' में देखा गया था। इस फिल्म में आमिर के अभिनय को दर्शकों ने काफी सराहा। वहीं, उनके नए प्रोजेक्ट की अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

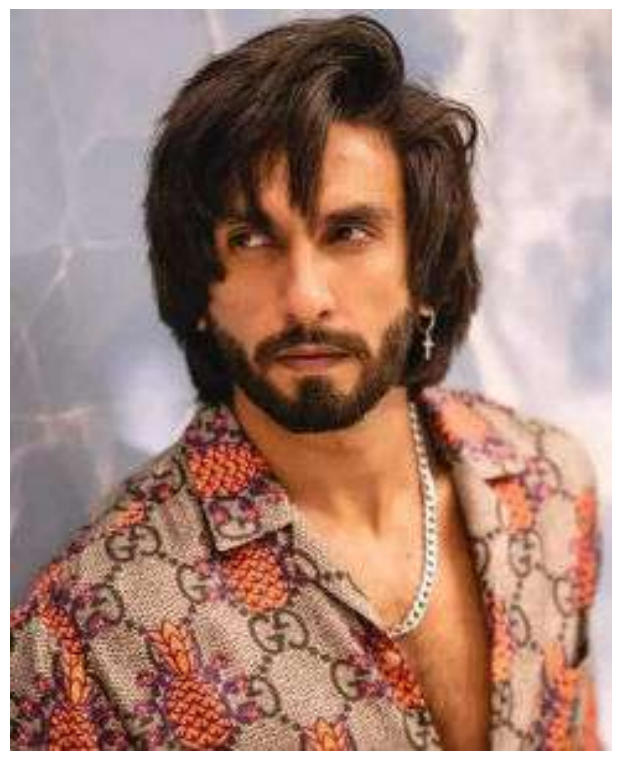

चामुंडा देवी को भूत कहने पर रणवीर सिंह ने मांगी माफी, विवाद पर पेश की सफाई– मेरा इरादा ऋषभ की तारीफ करना था

एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बीच उनकी कांतारा एक्टर ऋषभ शेट्टी का मजाक उड़ाने और चामुंडा देवी की नकल करने के लिए खूब आलोचना हो रही है। पर उनकी खूब आलोचना हो रही है। वीडियो वायरल होने के बाद एक्टर के खिलाफ शिकायत भी दर्ज हो चुकी हैं। वहीं, हाल ही में मामला बढ़ता देख रणवीर सिंह ने इस विवाद पर अपनी सफाई पेश की है और माफी भी मांगी है। रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर सफाई दी कि उनका इरादा सिर्फ एक्टर ऋषभ शेट्टी की तारीफ करना था। वो देश की हर संस्कृति और परंपरा का सम्मान करते हैं। फिर भी अगर किसी की भावना को ठेस पहुंची है तो वो दिल से माफी मांगते हैं। रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा–मेरा इरादा फिल्म में ऋषभ की जबरदस्त परफॉर्मेंस को हाइलाइट करना था। हर एक्टर को पता है कि उस सीन को जिस तरह से उन्होंने किया, उसे करने में कितना समय लगेगा, जिसके लिए मैं उनकी बहुत तारीफ करता हूं। रणवीर ने आगे लिखा, मैंने हमेशा अपने देश की हर संस्कृति, परंपरा और विश्वास का बहुत सम्मान किया है। अगर मैंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, तो मैं दिल से माफी मांगता हूं। दरअसल, हाल ही में रणवीर सिंह गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए। यहां पर उन्होंने स्टेज पर ऋषभ शेट्टी की कांतारा चौप्टर 1 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी परफॉर्मेंस बहुत अच्छी थी। खासकर जब उनके अंदर फीमेल घोस्ट आ जाती है। दरअसल, फिल्म में उस सीन में ऋषभ के अंदर चामुंडा देवी आती हैं। ऐसे में देवी को भूत कहने पर रणवीर की आलोचना होने लगी। मामला यहीं नहीं रुका, हिंदू जनजागृति समिति (एचजेएस) ने रणवीर के खिलाफ आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई। एचजेएस ने कहा कि रणवीर ने चामुंडा देवी का अपमान किया है। उन्होंने कोटिटुलु समुदाय द्वारा पूजनीय चामुंडी दैव को महिला भूत कहा। इसके लिए उन्होंने माफी की मांग भी की थी।

स्मृति मंधाना से शादी टली, पलाश मुच्छल पहुंचे प्रेमानंद महाराज के आश्रम, खूब उड़ रही अफवाहों के बीच मांगी शांति

फिल्ममेकर पलाश मुच्छल और क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी टलने की खबर नवंबर के आखिरी हफ्ते में पूरे शहर में चर्चा का विषय रही। मीडिया को बताया गया कि इसकी मुख्य वजह स्मृति के पिता का हॉस्पिटल में भर्ती होना था। इसके तुरंत बाद, पलाश को भी मुंबई के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस अचानक हुई घटना के तुरंत बाद पलाश के खिलाफ अफवाहें और उनके रिश्ते में संभावित परेशानी के कयास लगने लगे। इसी बातचीत के बीच, पलाश वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज से मिलने गए। फोटो में पलाश सफेद शर्ट और काली जैकेट पहने नजर आ रहे हैं। शादी टलने के बाद यह पलाश की दूसरी पब्लिक अपीयरेंस है। इससे पहले, उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर क्लिक किया गया था।

स्मृति और पलाश की शादी अभी भी पोस्टपोन

हाल ही में, अफवाहें भी फैलने लगीं कि पलाश और स्मृति की शादी की नई तारीख 7 दिसंबर तय की गई है। लेकिन स्मृति के भाई, श्रवण मंधाना ने अब इन अटकलों पर जवाब दिया है। श्रवण ने इन दावों के बारे में बात की और बताया कि शादी अभी भी पोस्टपोन है। उन्होंने भ्ज को बताया, "मुझे इन अफवाहों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अभी तक यह (शादी) अभी भी पोस्टपोन है।"

स्मृति और पलाश के बीच क्या हुआ?

स्मृति और पलाश 23 नवंबर को शादी करने वाले थे। हालांकि, उनके पिता के बीमार पड़ने और हॉस्पिटल में भर्ती होने के बाद उनकी शादी पोस्टपोन कर दी गई। इसके तुरंत बाद, सोशल मीडिया पेज और ऑनलाइन फोरम पर दावा किया गया कि पलाश मुच्छल बेवफा थे। इन अफवाहों को तब और बल मिला जब स्मृति ने अपनी शादी से जुड़े सभी पोस्ट डिलीट कर दिए, साथ ही उनकी इंडियन क्रिकेट टीम के सदस्यों ने भी अपने पोस्ट डिलीट कर दिए। धोखाधड़ी की अफवाहों के ज़ोर पकड़ने के साथ ही वेडिंग कोरियोग्राफर नंदिका द्विवेदी और गुलनाज़ खान भी इस विवाद में घसीटे गए। पलाश मुच्छल और स्मृति मंधाना की शादी से पहले की रस्में नवंबर के आखिरी हफ्ते में ज़ोरों पर चल रही थीं। उनकी हल्दी, मेहंदी और संगीत सेरेमनी की कई झलकियां सोशल मीडिया पर खूब शेयर की गईं। आखिरी समय में शादी रोक दी गई। इसके तुरंत बाद, स्मृति ने अपनी शादी से पहले की रस्मों की तस्वीरें डिलीट कर दीं; हालांकि, पलाश के साथ उनकी पिछली तस्वीरें उनके इंस्टाग्राम प्रोफ़ाइल पर हैं।

सर्दियां आते ही एड़ियों के दर्द से हो जाते हैं परेशान तो लगाएं ये देसी तेल, सारा दर्द हो जाएगा गायब

कुछ लोग एड़ियों के दर्द की समस्या से बहुत ज्यादा परेशान रहते हैं। इसके होने के की कई वजहें हो सकती हैं। जैसे कि कोई चोट, टेंडोनाइटिस या खराब क्वालिटी के जूते पहनना और प्लांटार फासिसाइटिस आदि। प्लांटार फासिसाइटिस एड़ी के नीचे के हिस्से में दर्द होना आम कारण है। बता दें कि ऐसी स्थिति तब होती है, जब पैर के तलवे की मांसपेशियों में सूजन आ जाती है। जिसकी वजह से एड़ी के निचले हिस्से में दर्द होने लगता है। यह दिक्कत उन लोगों में ज्यादा होती है, जिनका वजन ज्यादा होता है या फिर जो ज्यादा चलते या दौड़ते हैं। कई बार इस समस्या में घरेलू इलाज काफी फायदेमंद देखे गए हैं। वहीं आयुर्वेद में इसके कुछ घरेलू उपाय भी बताए गए हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एड़ियों में होने वाले दर्द से राहत पाने के लिए कुछ उपाय बताने जा रहे हैं।

लहसुन और सरसों का तेल

बता दें कि लहसुन में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो एड़ियों के दर्द को कम कर सकता है। लहसुन की कुछ कलियों को सरसों के तेल में गर्म करके इसको ठंडा कर लें और दर्द वाली जगह पर मालिश करें।

सेंधा नमक

गुनगुने पानी में सेंधा नमक डालकर उसमें पैरों को कुछ देर डुबोकर रखने से मांसपेशियों में आराम मिलेगा और दर्द में भी राहत मिलेगी। क्योंकि इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो दर्द और सूजन को कम करते हैं।

हल्दी और दूध

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। यह एड़ियों के दर्द को कम करने में मददगार होता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर इसका सेवन करें।

अदरक

अदरक एक नेचुरल एंटी–इंफ्लेमेटरी है, जो दर्द और सूजन को कम करने में भी सहायक होता है। यदि आप अदरक की चाय पी सकते हैं या अपने भोजन में भी अदरक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

तिल के तेल की मालिश

तिल के तेस से मालिश करने से एड़ियों के दर्द और सूजन को कम करने में सहायता करता है। इसको हल्का गर्म करके दर्द वाली जगह पर मालिश करना चाहिए। यह मांसपेशियों को आराम देने और रक्त प्रवाह बढ़ाने में सहायक होता है।

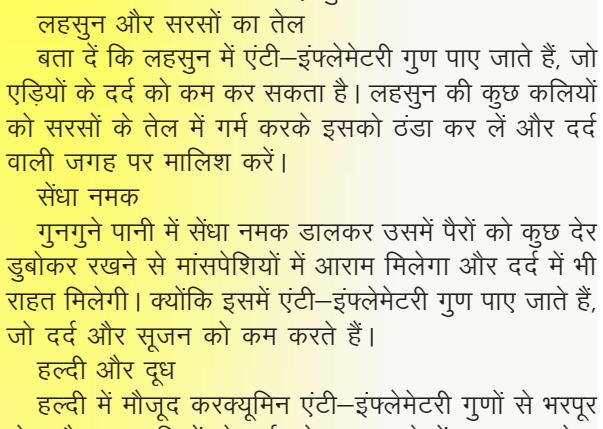

सर्दियों में ठंडे फर्श को कैसे रखें गर्म, फॉलो करें टिप्स

सर्दियों के दौरान ठंड बढ़ने से हर किसी पर असर पड़ता है। बदलते मौसम के कारण कई लोगों को सर्दी, खांसी और गले में खराश जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वैसे इन बीमारियों का एक आम कारण ठंडा फर्श है, क्योंकि ठंडी सतह पर चलने से बीमारियां अधिक बढ़ सकती है। सर्दियों के महीनों के दौरान अपने घर को गर्म और आरामदायक बनाए रखने के लिए हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

घर को गर्म रखने के टिप्स

– जब सर्दियां आती हैं तो फर्श ठंड हो जाते हैं। ऐसे में फर्शों को गर्म रखने के लिए इन आसान तरीकों जरुर अपनाना होगा। आप अपने फर्श को गर्म रखने के लिए कालीन या गलीचों का प्रयोग कर सकते है। आप पुराने कपड़ों के प्रयोग करके घर में बनी चटाई बना सकते है। जो इस मौसम में ठंड को कम करने में भी मदद कर सकता है।

– सर्दियों को दौरान कई लोग पानी से या फिर ठंडे पानी में भिगोए कपड़े से पोंछकर साफ करते हैं। ऐसा करने से बीमारियों का अधिक खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा अपने फर्श को ठंडे पानी के संपर्क में आए बिना कुशलता पूर्वक साफ करने के लिए वैक्यूम क्लीनर का प्रयोग करें।

– वैसे घर में प्रवेश करने वाली ठंडी हवा फर्श को और भी ठंडा बना सकते है। इससे बचने के लिए खासतौर पर सुबह और शाम के समय दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें।

गंजे सिर पर भी उग जाएंगे बाल! मेथी दाने के साथ ये चीज मिलाकर बनाएं हेयर ऑयल

क्या आप भी पतले बालों से जूझ रहे हैं? आप अकेले नहीं हैं। आइए जानें कि कैसे प्रकृति की सबसे अच्छी सामग्री रोजमेरी और मेथी दाना (मेथी के बीज) आपके बालों के लिए जरूरी बदलाव ला सकती है। सदियों से बालों की देखभाल में इस्तेमाल की जाने वाली ये सामग्री जड़ों को फिर से जीवंत करने, रोम को मजबूत करने और बालों के पतले होने से लड़ने में मदद करती हैं। इस गाइड में हम बताएंगे कि रोजमेरी मेथी दाना हेयर ऑयल आपके बालों को कैसे बदल सकता है, उन्हें उनकी पूरी स्वस्थ क्षमता में वापस ला सकता है।

बालों के पतले होने के पीछे क्या है?

बालों के पतले होने के कई कारण हैं, जिनमें तनाव, पोषण, हार्मोनल बदलाव और पर्यावरणीय क्षति शामिल हैं। समय के साथ कमजोर जड़ें और सिकुड़ते रोम बालों को कमजोर और झड़ने का कारण बन सकते हैं। ऐसे में रोजमेरी में एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपके स्कैल्प को सूजन और फ्री–रेडिकल क्षति से बचाते हैं।मेथी दाना, या मेथी के बीज एक और पावरहाउस है। प्रोटीन, निकोटिनिक एसिड और लेसिथिन से भरपूर, यह आपके स्कैल्प को पोषण देता है और बालों को मजबूत बनाता है। इसके सूजनरोधी और फंगसरोधी गुण स्कैल्प को स्वस्थ बनाने में भी मदद करते हैं और रूसी और रूखेपन जैसी समस्याओं को दूर करते हैं, जो बालों के पतले होने में योगदान कर सकती हैं।

रोजमेरी मेथी दाना हेयर ऑयल के फायदे

रोजमेरी रक्त प्रवाह को बढ़ाती है, रोमछिद्रों को आवश्यक पोषक तत्व पहुंचाती है, जबकि मेथी दाना प्रत्येक स्ट्रैंड को मजबूत करता है, जिससे टूटने और दोमुंहे बालों को रोका जा सके। यह मिश्रण न केवल बालों को पतला होने से रोकता है यह आपके बालों को वह मात्रा और चमक भी देता है जिसके वे हकदार हैं। दोनों ही तत्व जो स्कैल्प को आराम पहुंचाने और बालों के झड़ने का कारण बनने वाली किसी भी जलन को कम करने में मदद करते हैं। मेथी दाना के मॉइस्चराइजिंग गुण स्कैल्प को नमी प्रदान करते हैं, जो बालों के झड़ने में योगदान देने वाले रूखेपन से निपटने के लिए जरूरी है। इस बीच, रोजमेरी के एंटीऑक्सीडेंट पर्यावरण संबंधी तनावों से बचाते हैं, जिससे बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जुड़ जाती है।

कैसे करें इस्तेमाल

रोजमेरी मेथी दाना हेयर ऑयल को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए इन चरणों का पालन करें। पहले अपने स्कैल्प को शैम्पू से साफ करें। तेल लगाने से पहले अपने बालों को प्राकृतिक रूप से सूखने दें। इसके बाद अपनी हथेलियों के बीच थोड़ा सा तेल गर्म करें। इसे अपने स्कैल्प पर गोलाकार गति में मालिश करें, उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जहां बाल सबसे अधिक पतले हो रहे हैं। रक्त संचार को बेहतर बनाने और तेल को अंदर तक पहुंचने में मदद करने के लिए 5–10 मिनट तक मालिश करें। तेल को कम से कम 30 मिनट तक लगा रहने दें या इसे रात भर लगा रहने दें ताकि यह अच्छी तरह से पोषित हो सके। इसके बाद शैम्पू से धो लें। सप्ताह में 2–3 बार तेल का इस्तेमाल करें। नियमित इस्तेमाल से जड़ें मजबूत होती हैं और बालों की स्वस्थ वृद्धि होती है।

मजबूत बालों के लिए हेयर केयर टिप्स

संतुलित आहारः विटामिन, खनिज और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं, जैसे अंडे, नट्स और पत्तेदार सब्जियां। बालों का स्वास्थ्य अंदर से शुरू होता है।

प्राकृतिक हेयर मास्कः तेल के साथ प्राकृतिक मास्क लगाएं। आंवला, नारियल तेल और एलोवेरा जैसे तत्व रोजमेरी और मेथी दाना के साथ मिलकर चमक और मजबूती देते हैं।

नहाने की गलत आदतें सर्दियों में बिगाड़ सकती हैं, त्वचा और बालों की सेहत

सर्दियों में नहाना जरूरी तो है, लेकिन सही तरीके से नहाना और कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर नहाने के दौरान गलतियां की जाएं, तो इसका असर आपकी त्वचा और बालों पर पड़ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि सर्दियों में बार–बार नहाने या गलत प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से त्वचा की नमी खत्म हो सकती है और यह डैंड्रफ जैसी समस्याओं की वजह बन सकता है।

बार–बार नहाने से बचें

सर्दियों में बार–बार नहाना न केवल त्वचा के लिए हानिकारक हो सकता है, बल्कि यह आपके शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर सकता है। बार–बार नहाने से त्वचा का नेचुरल ऑयल निकल जाता है, जो त्वचा को नमी बनाए रखने और बैक्टीरिया से बचाने में मदद करता है। नहाने के दौरान त्वचा पर मौजूद हेल्दी बैक्टीरिया भी खत्म हो जाते हैं, जिससे त्वचा रूखी, खुजलीदार और संवेदनशील हो सकती है। यह डैंड्रफ और एक्जिमा जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपकी त्वचा अधिक गंदी नहीं है या आप पसीने से तर नहीं हैं, तो रोज नहाने से बचें। सर्दियों में सप्ताह में 3–4 बार नहाना भी पर्याप्त हो सकता है। जब नहाएं तो त्वचा को बहुत देर तक पानी के संपर्क में न रखें और गुनगुने पानी का ही उपयोग करें।

साबुन और शॉवर जेल का सही चुनाव करें

सर्दियों में कठोर साबुन का उपयोग करना आपकी त्वचा के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ऐसे साबुन त्वचा की नमी को छीन सकते हैं और त्वचा को ज्यादा ड्राई और खुजलीदार बना सकते हैं। इसके बजाय, मॉइस्चराइजिंग प्रॉपर्टीज वाले हल्के साबुन या शॉवर जेल का इस्तेमाल करें। यदि आप एंटीबैक्टीरियल साबुन का उपयोग करते हैं, तो ध्यान रखें कि यह जरूरत से ज्यादा न करें, क्योंकि यह त्वचा पर मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को भी खत्म कर सकता है। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए सुगंध रहित या खास सौम्य क्लींजर का उपयोग करना बेहतर होता है। अगर एक्जिमा जैसी समस्या हो, तो साबुन का इस्तेमाल सीमित करें और डॉक्टर द्वारा सुझाए गए उत्पादों का ही चयन करें। साबुन के बजाय, तेल आधारित शॉवर जेल या क्लींजर का उपयोग करना सर्दियों में त्वचा को पोषण देने का एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

तौलिए को साफ और सूखा रखें

नहाने के बाद तौलिए का सही तरीके से उपयोग और देखभाल करना बेहद जरूरी है। नम तौलिए बैक्टीरिया, यीस्ट, और फंगस के पनपने के लिए सबसे अनुकूल स्थान होते हैं। इसका लगातार उपयोग करने से फंगल इन्फेक्शन, एथलीट फुट, जॉक खुजली, मस्से और अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। तौलिये को हर उपयोग के बाद अच्छी तरह सुखाएं। इसे तौलिया बार पर फैलाकर लटकाएं ताकि यह जल्दी सूख जाए। तौलिये को सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर धोएं। यदि आपका घर नमी वाला है या आप बीमार हैं, तो तौलिये को और अधिक बार धोने की जरूरत होती है। इसके अलावा, हर बार नहाने के लिए एक साफ और सूखा तौलिया उपयोग करें।

लूफा को समय–समय पर साफ करें

लूफा का इस्तेमाल सर्दियों में डेड स्किन हटाने और त्वचा को साफ रखने के लिए किया जाता है, लेकिन इसकी सफाई का भी खास ख्याल रखना चाहिए। गंदे लूफा बैक्टीरिया और फंगस के लिए छिपने की जगह बन जाते हैं, जो त्वचा पर इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं। लूफा को हर हफ्ते हल्के ब्लीच सॉल्यूशन में पांच मिनट के लिए भिगोकर साफ करना चाहिए। शॉवर में लूफा रखने से बचें, क्योंकि वहां नमी के कारण यह जल्दी खराब हो सकता है। इसे किसी ठंडी और हवादार जगह पर टांगें ताकि यह जल्दी सूख जाए। प्राकृतिक लूफा को हर 3–4 हफ्ते में बदलें, जबकि प्लास्टिक वाले लूफा को हर 2 महीने में बदलना चाहिए। इस आदत को अपनाने से आप बैक्टीरिया और कीटाणुओं से बच सकते हैं।

नहाने की सही आदतें अपनाएं

सर्दियों में नहाने के लिए गुनगुने पानी का उपयोग करें, क्योंकि बहुत ज्यादा गर्म पानी त्वचा की बाहरी परत को नुकसान पहुंचा सकता है और नमी को खत्म कर सकता है। नहाने के तुरंत बाद त्वचा को मॉइस्चराइजर से पोषण दें। यह नमी को लॉक करने में मदद करता है और त्वचा को रूखेपन से बचाता है। बालों की देखभाल के लिए हल्के शैम्पू का उपयोग करें, जो बालों के प्राकृतिक तेल को खत्म न करे। अगर आपको डैंड्रफ की समस्या है, तो एंटी–डैंड्रफ शैम्पू का उपयोग करें। साथ ही, नहाने के बाद खुद को पूरी तरह से सुखाना न भूलें, क्योंकि गीली त्वचा और बाल सर्दी के मौसम में अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह जरूरी

अगर सर्दियों में आपकी त्वचा और बालों की समस्याएं बढ़ रही हैं, तो घरेलू उपचार की बजाय किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है। बिना जांच किए किसी भी प्रोडक्ट का उपयोग करना त्वचा को और नुकसान पहुंचा सकता है। त्वचा विशेषज्ञ आपकी त्वचा के प्रकार और समस्या के आधार पर सही उत्पाद और उपचार सुझा सकते हैं। इसके अलावा, हेल्दी डाइट और हाइड्रेशन पर ध्यान दें, क्योंकि यह त्वचा की सेहत बनाए रखने में मदद करता है। इन आसान टिप्स को अपनाकर आप सर्दियों में त्वचा और बालों की समस्याओं से बच सकते हैं और अपनी सेहत का ख्याल रख सकते हैं।

सर्दियों में खोए नूर को ऐसे पाएं वापस, खिल उठेगा चेहरा

सर्दियों में हमारी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। वहीं जब स्किन का सही से ध्यान नहीं रखा जाता है, तो इसका निखार खोने लगता है और चेहरा डल पड़ने लगता है। हम सभी सर्दियों में फेस को मॉइश्चराइज करने के लिए कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इससे चेहरे का रूखापन भले ही थोड़ी देर के लिए चला जाता है, लेकिन साथ ही चेहरे का निखार भी जाने लगता है। अगर सर्दियों में आपके चेहरे का नूर भी खो जाता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप घर पर ही पार्लर जैसा निखार पा सकते हैं।

शहद

फेस पर शहद लगाने से आपका खोया हुआ निखार वापस आ सकता है। वहीं सर्दी के मौसम में चेहरे को मॉइश्चराइज करने का यह एक अच्छा घरेलू तरीका भी माना जाता है। शहद की मदद से आप अपने चेहरे की खोई हुई रंगत को भी वापस पा सकती हैं। साथ ही चेहरे पर होने वाले दाग–धब्बों और झुर्रियों को भी यह गायब करने का एक अच्छा ऑप्शन है।

बेसन

बता दें कि त्वचा के लिए बेसन एक अच्छा घरेलू तरीका माना जाता है। इससे आप घर पर ही पार्लर जैसा निखार पा सकते हैं। चेहरे पर बेसन और हल्दी में कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसको फेस पर अप्लाई करें और 15 मिनट तक सूखने दें। अब पानी से फेसवॉश कर लें। इससे फेसपैक से आप अपनी त्वचा में खुद बदलाव देख सकेंगी। एक्सपर्ट की मानें, तो बेसन और हल्दी का पेस्ट स्किन के लिए काफी अच्छा होता है।

नींबू

फेस के रूखेपन को दूर करने और खोए हुए निखार को वापस पाने के लिए आप नींबू का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है और यह स्किन के लिए भी काफी गुणकारी माना जाता है। आप अपने चेहरे पर नींबू की सहायता से निखार पा सकते हैं।

पपीता

स्किन का निखान बढ़ाने के लिए आप चेहरे पर पपीते का पेस्ट भी लगा सकती हैं।

ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें, तो फेस पर पपीते का पेस्ट लगाना काफी अच्छा होता है। पपीते का पेस्ट चेहरे पर अप्लाई करने से रंगत में भी सुधार होता है।

संक्षिप्त

वित्तमंत्री ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी को नवरत्न का दर्जा दिया

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) को नवरत्न का दर्जा दिया है। इससे पहले, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत आने वाला एनआरएल के पास मिनीरत्न का दर्जा था। वित्त मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रम विभाग ने मंगलवार को 'एक्स' पर लिखा, ''माननीय वित्त मंत्री ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) को नवरत्न केंद्रीय लोक उपक्रम (सीपीएसई) का दर्जा देने को मंजूरी दे दी है। एनआरएल, सीपीएसई में 27वीं नवरत्न कंपनी होगी।'' एनआरएल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की उपक्रम है। इसका सालाना कारोबार 25,147 करोड़ रुपये का है। वित्त वर्ष 2024–25 में इसे 1,608 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था। एनआरएल के बहुलांश शेयरधारक ऑयल इंडिया लिमिटेड हैं। कंपनी की 69.63 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि असम सरकार के पास 26 प्रतिशश्त और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पास 4.37 प्रतिशत शेयरधारिता है। नवरत्न दर्जे से वित्तीय और परिचालन स्वायत्तता काफी बढ़ जाएगी। यह स्वायत्तता कंपनी को हर सामरिक कदम के लिए सरकार की साफ मंजूरी के बिना तेजी से, स्वतंत्र फैसले लेकर घरेलू और वैश्विक बाजार में ज्यादा असरदार तरीके से मुकाबला करने में मदद करने के लिए बनाई गई है। इससे कंपनी को सरकार की मंजूरी के बिना एक ही परियोजना पर 1,000 करोड़ रुपये या अपनी नेट वर्थ का 15 प्रतिशत तक निवेश करने में मदद मिलेगी।

मारुति सुजुकी एक लाख चार्जिंग स्टेशन लगाएगी, कई मॉडल पेश करेगी

मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह विभिन्न आकार में कई इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करेगी और इस खंड में नेतृत्व हासिल करने के लिए पूरे देश में चार्जिंग अवसंरचना तैयार करेगी। कंपनी अगले साल अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन ई–विटारा पेश करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही वह डीलर साझेदारों तथा चार्जिंग पॉइंट परिचालकों के साथ मिलकर 2030 तक करीब एक लाख चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिशाशी ताकेउची ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, हमारी मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के दृष्टिकोण के अनुरूप आने वाले

वर्षों में हम विभिन्न आकार और खंड में कई और इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि इसी दृष्टिकोण के तहत 2030 तक डीलरों और चार्ज पॉइंट परिचालकों के साथ मिलकर एक लाख से अधिक चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क स्थापित करने का लक्ष्य है। ताकेउची ने कहा, हम देश में इलेक्ट्रिक परिवहन में अग्रणी बनेंगे और बाजार नेतृत्वकर्ता के रूप में हम ईवी अपनाने को ग्राहकों के लिए आसान बनाने का काम करेंगे। कंपनी चार्जिंग नेटवर्क की स्थापना के साथ 2026 में ई–विटारा की बिक्री शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक परिवहन में कदम रखते समय कंपनी उत्पाद और परिवेश, दोनों लिहाज से पूरी तैयारी के साथ उतरेगी। ताकेउची ने कहा कि कंपनी ने 1,100 से अधिक शहरों में अपने बिक्री और सर्विस केंद्रों पर 2,000 से ज्यादा मारुति सुजुकी एक्सक्लूसिव चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा, डीलर नेटवर्क में चार्जिंग अवसंरचना और ऐप तैयार करने के लिए हमने करीब 250 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

एआई से लैस नया बैंकिंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल ठगी पर लगाम, चुटकियों में होगा समाधान

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक में शिकायतों के निपटान को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्नत सुविधाओं और एआई–सक्षम उपकरणों के साथ शिकायत प्रबंधन प्रणाली को उन्नत करने की योजना बनाई जा रही है। राज्यसभा में एक अतारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए, वित्त राज्य मंत्री (डवै), पंकज चौधरी ने कहा कि रिजर्व बैंक–एकीकृत लोकपाल योजना में संशोधन के माध्यम से शिकायत समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतीय रिज़र्व बैंक ने लोकपाल कर्मचारियों के कौशल को मज़बूत करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए हैं, शिकायतों के प्रभावी निपटान के लिए व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन करता है और समय–समय पर आंतरिक रूप से कर्मचारियों की आवश्यकताओं का आकलन करता है। इन पहलों से परिचालन दक्षता में सुधार और शिकायत समाधान में देरी को कम करने में मदद मिलेगी। एस निरंजन रेड्डी ने राज्यसभा में रिज़र्व बैंक–एकीकृत लोकपाल योजना (आरबी–आईओएस) के तहत शिकायतों के समाधान में बढ़ती देरी के कारणों के बारे में एक प्रश्न उठाया। रेड्डी ने बताया कि आरबी–आईओएस के तहत अनधिकृत डिजिटल भुगतान लेनदेन से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए औसत टर्नअराउंड समय (टीएटी) वित्त वर्ष 2022–23 में 36.3 दिनों से बढ़कर वित्त वर्ष 2024–25 में 68.3 दिन हो गया है। पंकज चौधरी ने अपने उत्तर में उल्लेख किया कि शिकायतों की बढ़ती संख्या और मामलों की बढ़ती जटिलता, विशेष रूप से कई संस्थाओं से जुड़े मामलों, के कारण अनधिकृत डिजिटल भुगतान लेनदेन से संबंधित शिकायतों के समाधान में लगने वाला समय बढ़ गया है। उन्होंने अपने उत्तर में कहा कि इन शिकायतों के लिए शिकायतकर्ता और लाभार्थी(यों) दोनों के खातों के रिकॉर्ड की विस्तृत जाँच आवश्यक है।

कोहली ने वनडे विश्व कप के लिए दावा किया मजबूत, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जड़ा लगातार दूसरा शतक

रायपुर। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए दावा मजबूत कर लिया है। कोहली शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरा शतक लगा दिया है। कोहली ने इससे पहले रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी और अब रायपुर में भी उन्होंने इस फॉर्म में जारी रखते हुए शतक लगा दिया है। कोहली वे 90 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 84वां शतक लगाया

कोहली का यह वनडे में 53वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 84वां शतक है। कोहली पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए थे और अब उन्होंने इस रिकॉर्ड को और मजबूती दी है। कोहली वनडे में शतक लगाने के मामले में सभी से काफी आगे निकल गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 100 शतक लगाए हैं। कोहली दूसरे मैच में 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली ने आलोचकों को दिया जवाब

पिछले कुछ समय से कोहली के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। लेकिन कोहली जिस तरह की फॉर्म में चल रहे हैं, उन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है। कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और इस बारे में लगातार बात होती रही है कि वह दो साल बाद होने वाले इस टूर्नामेंट तक अपनी मैच फिटनेस कैसे बरकरार रखेंगे, लेकिन कोहली ने इस सीरीज में लगातार दो शतक लगाकर आलोचकों को जवाब दे दिया है।

13वीं बार लगातार तीसरी बार वनडे में बनाया 50+ स्कोर

कोहली ने इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरा 50+ स्कोर बनाया। वहीं, लगातार तीसरे मैच में उन्होंने 50+ स्कोर बनाया। इससे पहले कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में नाबाद 74 रन बनाए थे, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 135 रन की पारी खेली थी। यह 13वीं बार है जब उन्होंने वनडे में लगातार तीन या इससे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाया है। इस प्रारूप में ये सर्वाधिक है। इस मामले में रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर हैं जिन्होंने 11 बार ऐसा किया है, जबकि सचिन तेंदुलकर ने 10 बार वनडे में लगातार तीन मैचों में 50+ स्कोर बनाए हैं।

दक्षिण अफ्रीका–भारत के बीच वनडे की सबसे बड़ी साझेदारी

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के विकेट जल्द गंवा दिए थे जिसके बाद कोहली ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पारी को संभाला। कोहली से पहले ऋतुराज गायकवाड़ ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाया, लेकिन गायकवाड़ शतक लगाने के बाद कैच आउट होकर पवेलियन लौट गए। गायकवाड़ ने 105 रन बनाए। कोहली और गायकवाड़ के बीच चौथे विकेट के लिए 195 रनों की साझेदारी हुई। यह भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच किसी भी विकेट के लिए वनडे में की गई सबसे बड़ी साझेदारी है। कोहली और गायकवाड़ की जोड़ी ने इस मामले में सचिन और दिनेश कार्तिक को पीछे छोड़ा जिन्होंने इस टीम के खिलाफ ग्वालियर में 2010 में 194 रनों की साझेदारी की थी।

सबसे आगे निकले कोहली

कोहली ने 11वीं बार वनडे में लगातार दो शतक लगाए हैं और वह इस मामले में सभी से काफी आगे हैं। भारत ही क्या अन्य कोई भी देश का बल्लेबाज इस मामले में उनके करीब भी नहीं है। दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं जिन्होंने वनडे में छह बार लगातार दो शतक लगाए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार तीसरा शतक

कोहली का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह वनडे में लगातार तीसरा शतक है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में नाबाद 101 रन बनाए थे। इसके बाद रांची में 135 रन और अब 102 रनों की पारी खेली। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस मामले में केन विलियमसन की बराबरी कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शुभमन गिल की जगह पर सस्पेंस, सैमसन–जायसवाल को मिल सकता है मौका

भारतीय चयनकर्ताओं द्वारा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए जल्द ही टी20 टीम की घोषणा किए जाने की संभावना के साथ, भारत के टी20ए उप–कप्तान शुभमन गिल की उपलब्धता को लेकर संदेह है। एकदिवसीय श्रृंखला 6 दिसंबर को समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20ए श्रृंखला 9 दिसंबर को कटक में शुरू होगी। इसके बाद न्यू चंडीगढ़ (11 दिसंबर), धर्मशाला (14 दिसंबर), लखनऊ (17 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में खेल होंगे। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बल्लेबाजी करते समय गिल को गर्दन में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। वह दूसरा टेस्ट नहीं खेल पाए, जिसमें भारत हार गया, और वह चल रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का हिस्सा नहीं होंगे। गिल वर्तमान में बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पुनर्वास से गुजर रहे हैं। शुभमन गिल की

संभावित अनुपस्थिति को देखते हुए, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग के प्रबल दावेदार हैं।

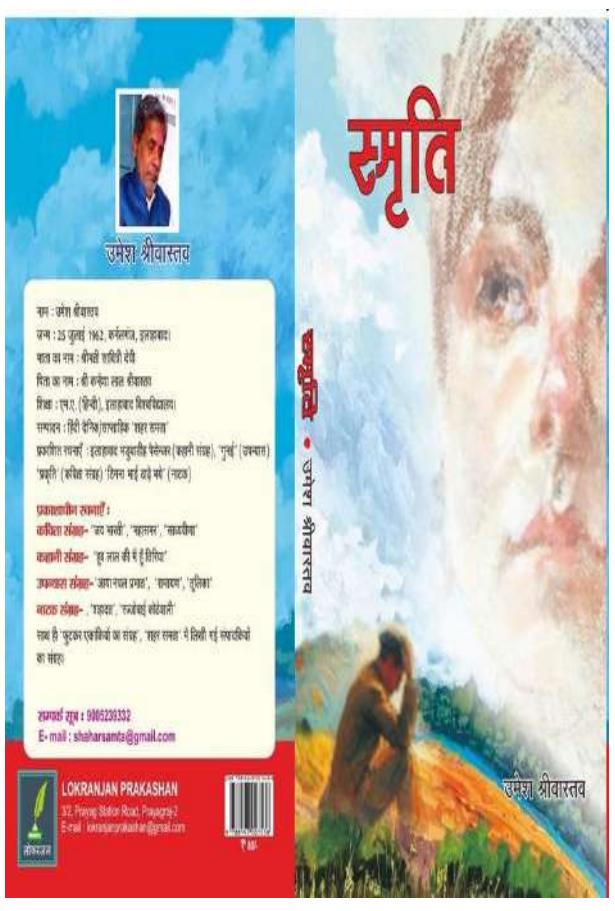

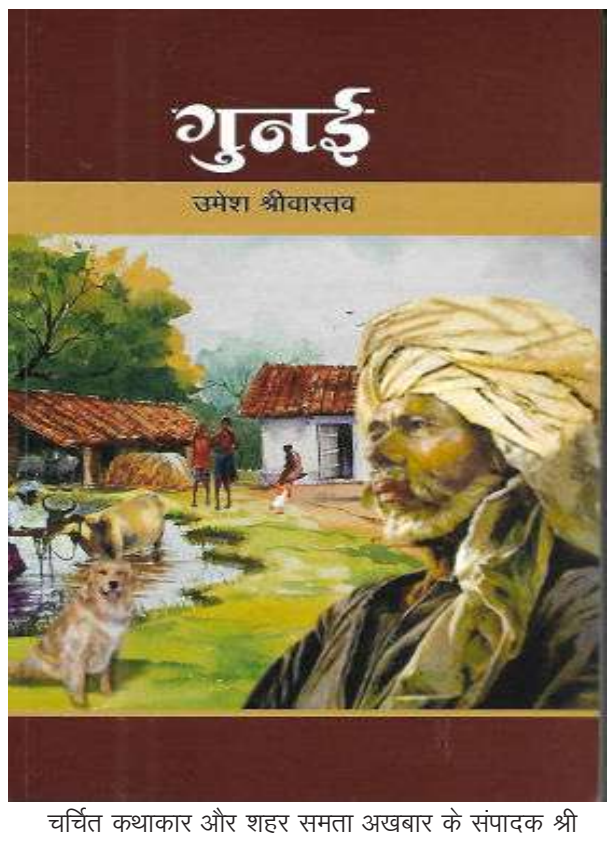

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

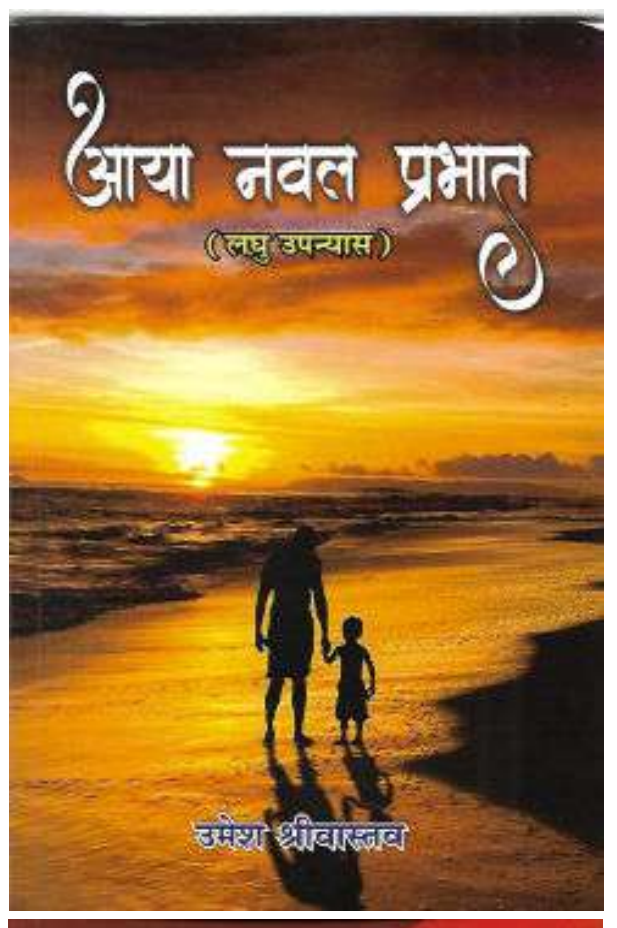

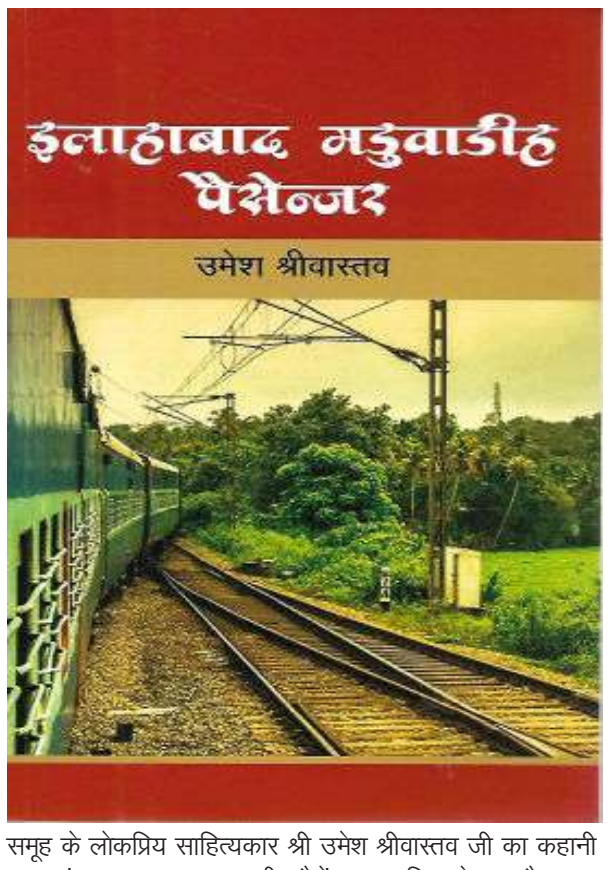

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

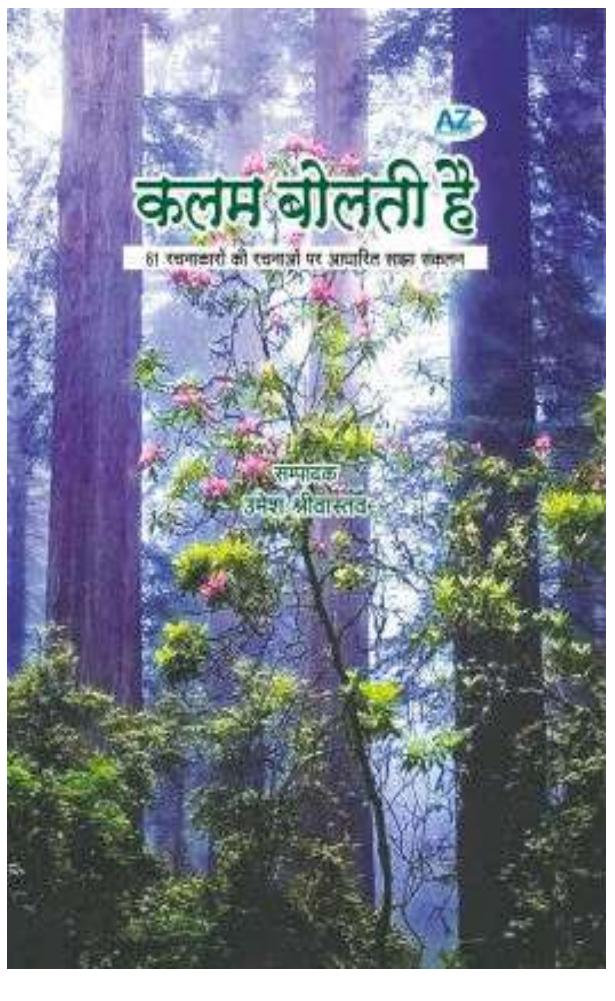

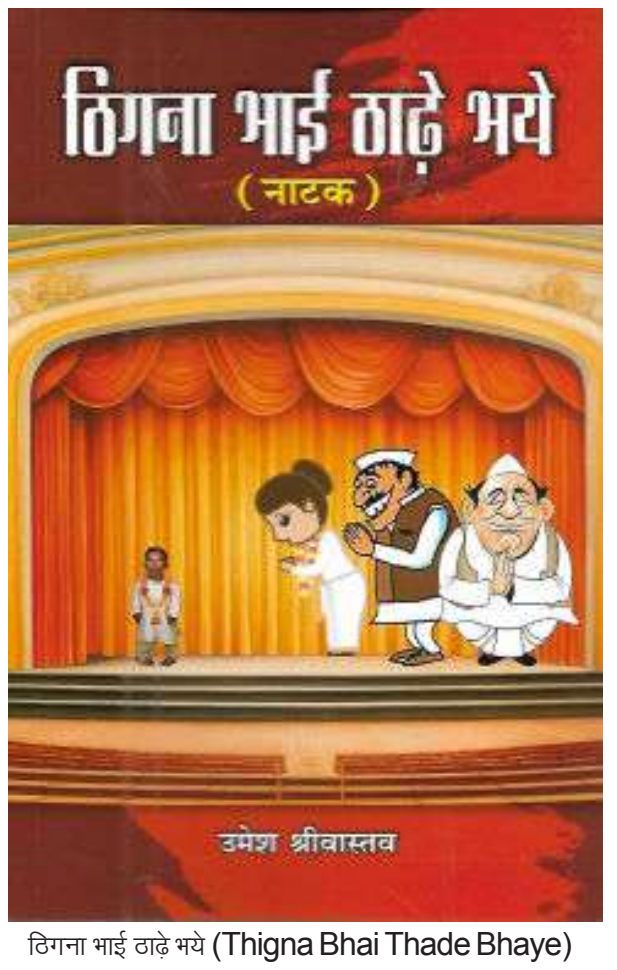

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

व्लादिमीर पुतिन ने यूरोप पर यूक्रेन के साथ शांति प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों पर युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रयासों में बाधा डालने का आरोप

लगाया। पुतिन ने कहा, ''उनके पास शांति का कोई एजेंडा नहीं है, वे युद्ध के पक्ष में हैं।'' पुतिन ने रूसी सत्ता प्रतिष्ठान 'क्रेमलिन' में अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता से पहले यह टिप्पणी की। रूसी राष्ट्रपति ने यूरोप पर शांति प्रस्तावों में संशोधन करने का आरोप लगाया, जिसमें "ऐसी मांगें शामिल हैं, जो रूस को बिल्कुल अस्वीकार्य हैं।'' उन्होंने कहा कि केवल रूस को दोषी ठहराने के लिए सम्पूर्ण शांति प्रक्रिया को अवरुद्ध किया जा रहा है। विटकॉफ की मॉस्को यात्रा के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की आयरलैंड गए हैं। जेलेंस्की लगातार यूरोप के उन देशों की यात्राएं कर रहे हैं, जिन्होंने रूस के आक्रमण के खिलाफ उनके देश की लड़ाई को जारी रखने में मदद की है।

दक्षिण सूडान में सहायता पहुंचाने वाले विमान को 'हाइजैक' करने वाला बंदूकधारी गिरफ्तार

दक्षिण सूडान में मंगलवार को एक बंदूकधारी व्यक्ति ने एक ईसाई सहायता समूह के एक छोटे 'टर्बोप्रॉप' विमान को हाइजैक (अपहरण) कर लिया और पायलट से चाड तक विमान उड़ाने को कहा। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विमान के उत्तरी शहर में उतरने के कुछ घंटों बाद ही संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और मामले की जांच जारी है। 'सेसना ग्रैंड कारवां' विमान का स्वामित्व और संचालन 'समरिटन्स पर्स' के पास है। पुलिस के मुताबिक, विमान सुबह दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा से उड़ान भर रहा था कि तभी बंदूकधारी ने उस पर नियंत्रण कर लिया। विमान, सुदूर पूर्वोत्तर काउंटी मैवुत के लिए चिकित्सा सामग्री ले जा रहा था, जहां 'समरिटन्स पर्स' चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहा है। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारी विमान में घुस गया और उड़ान भरने से पहले पीछे के केबिन में छिप गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान यासिर मोहम्मद यूसुफ के रूप में हुई, जो अबेई प्रशासनिक क्षेत्र का निवासी है।

अमेरिका में दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या का आरोप

अमेरिका में एक ट्रक से टक्कर के बाद कार में सवार दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए गए हैं। राजिंदर कुमार (32) पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के कारण किसी की जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है। हादसे में कार में सवार विलियम मिका कार्टर (25) और जेनिफर लिन लोवर (24) की मौत हो गई थी। जिस ट्रक से उनकी टक्कर हुई थी, उसे कुमार ही चला रहा था। अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचसी) ने कहा कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कुमार की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है। ओरेगन राज्य की पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारियों को 24 नवंबर की रात डेशूट्स काउंटी में दो वाहनों की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुमार का ट्रक सड़क के बीचोंबीच खड़ा था, जिसकी वजह से दोनों ओर से आवाजाही बंद हो गई थी। उसी दौरान राजमार्ग पर तेज रफ्तार में आ रही कार्टर की कार ट्रक से टकरा गई थी। कार्टर और लोवर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था जबकि कुमार को कोई चोट नहीं लगी थी। इसके बाद कुमार को गिरफ्तार करके डेशूट्स काउंटी जेल भेज दिया गया था। डीएचएस के अनुसार कुमार भारत से आया अवैध प्रवासी है और वह 28 नवंबर 2022 को अरिजोन के ल्यूकविल के पास गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था।

व्लादिमीर पुतिन के दौरे से पहले त्नेपंद च्तसपंउमदज ने भारत के साथ महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दी

रूस की संसद के निचले सदन 'ड्यूमा' ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4–5 दिसंबर को नयी दिल्ली की राजकीय यात्रा से पहले भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंगलवार को मंजूरी दे दी। दोनों सरकारों के बीच 18 फरवरी को हस्ताक्षरित सैन्य साजो सामान संबंधी सहयोग के पारस्परिक आदान–प्रदान (आरईएलओएस) को प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन द्वारा अनुमोदन के लिए पिछले सप्ताह 'ड्यूमा' को भेजा गया था। 'ड्यूमा' के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन ने सदन के पूर्ण अधिवेशन में कहा, ''भारत के साथ हमारे संबंध रणनीतिक और व्यापक हैं तथा हम उन्हें महत्व देते हैं। हम समझते हैं कि आज समझौते को मंजूरी निश्चित रूप से हमारे संबंधों के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

ट्रंप की योजना पर समझौता नहीं.., अमेरिकी विशेष दूत से पुतिन की मुलाकात के बाद बोले रूसी अफसर

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका की ओर से विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ के बीच बुधवार को हुई बैठक में ट्रंप की श्यूक्रेन योजनाश पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं हो सका। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने बताया कि बातचीत लगभग पांच घंटे चली, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर भी शामिल थे। रूसी मीडिया समूह– रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, उशाकोव ने कहा कि अमेरिकी प्रस्तावों में कुछ बिंदु रूस को स्वीकार करने लायक लगे, हालांकि कई पक्ष ऐसे थे जो क्रेमलिन के हितों के तहत नहीं थे। उन्होंने कहा, "अब तक कोई समझौता

नहीं हुआ है। कुछ अमेरिकी प्रस्ताव रूस को स्वीकार्य हैं, लेकिन कुछ नहीं। हमने मुद्दों के सार पर बात की, न कि विशेष शब्दों या समाधान पर। दोनों पक्ष सहयोग की बड़ी संभावनाएं देखते हैं।" उशाकोव ने यह भी पुष्टि की कि बैठक में क्षेत्रीय मुद्दे पर भी चर्चा हुई। यह पूछे जाने पर कि क्या इन बातचीत से शांति करीब आई है, उन्होंने कहा, "निश्चित रूप से दूर नहीं हुई है।" दूसरी तरफ क्रेमलिन के अफसर किरिल दिमित्रिएव ने बैठक को उत्पादक बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, वॉशिंगटन ने 28 बिंदुओं वाला एक संशोधित शांति प्रस्ताव साझा किया है, जिसे कीव और यूरोपीय देशों की आपत्तियों के बाद बदला गया था, क्योंकि शुरुआती मसौदे को मॉस्को की शर्तों के प्रति काफी नरम माना गया था। गौरतलब है कि चर्चा से कुछ घंटे पहले ही पुतिन ने एक निवेश मंच से अपने संबोधन के दौरान कहा था कि अगर यूरोपीय देश टकराव का रास्ता चुनते हैं, तो रूस सैन्य मुकाबले के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा हम यूरोप से युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अगर वे शुरू करेंगे, तो हम तैयार हैं। यूरोपीय नेता बातचीत को प्राथमिकता नहीं दे रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोपीय देश अमेरिका और ट्रंप द्वारा सुझाए गए शांति प्रयासों में अड़चन पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका और यूक्रेन की बातचीत भी जारी

इधर, इसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमिर जेलेंस्की आयरलैंड पहुंचे, जहां उन्होंने यूरोपीय नेताओं से समर्थन को मजबूत करने की कोशिश की। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और रूस की बातचीत के बाद मिलने वाले संकेत आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन हर दिन जानें गंवा रहा है, इसलिए अब ठोस नतीजों की जरूरत है, केवल बातों से काम नहीं चलेगा। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कीव की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद प्रमुख रुस्तेम उमेरोव के साथ बैठक की। रुबियो ने चर्चा को उपयोगी लेकिन जटिल बताया।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान का सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा दोहराया

कहा- मुझे नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का अपना दावा मंगलवार को एक बार फिर दोहराया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कुछ आठ युद्ध/संघर्ष समाप्त करवाए और इसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कैबिनेट बैठक में रूस–यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, "हमने आठ युद्ध समाप्त करवाए... और अब हम एक और युद्ध समाप्त करवाने जा रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हर बार जब मैं कोई युद्ध समाप्त करवाता हूं, तो वे कहते हैं, 'अगर राष्ट्रपति ट्रंप उस युद्ध को समाप्त कर देते हैं, तो उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलेगा।' और अगर मैं उस युद्ध को समाप्त करवा देता हूं, तो वे कहते हैं, 'ठीक है, उन्हें इस युद्ध के लिए तो नहीं मिलेगा, लेकिन

अगर उन्होंने अगला युद्ध रुकवाया, तो उसके लिए उन्हें जरूर (पुरस्कार) मिलेगा।" ट्रंप ने कहा, "अब वे कह रहे हैं, 'अगर वह कभी रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने में सफल होते हैं, तो उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलेगा।' बाकी आठ युद्धों का क्या? भारत–पाकिस्तान सैन्य संघर्ष सहित उन सभी युद्धों के बारे में सोचिए, जिन्हें मैंने रुकवाया। मुझे हर युद्ध के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए, लेकिन मैं लालची नहीं बनना चाहता।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इन युद्धों में मारे जा रहे लोगों की अधिक चिंता है। उन्होंने कहा कि 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित की जाने वाली वेनेजुएला की कार्यकर्ता मारिया कोरिना मचाडो पेरिस्का ने कहा था कि वह (ट्रंप) नोबेल पुरस्कार के हकदार हैं। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान, अमेरिका की मध्यस्थता में हुई घंटों लंबी बातचीत के बाद सैन्य संघर्ष को "पूरी तरह से और तत्काल" समाप्त करने पर सहमत हो गए हैं। वह अपने इस दावे को कम से कम 60 बार दोहरा चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने में मदद की। हालांकि, भारत ने किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। भारत ने 22 अप्रैल को को पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों पक्षों में सैन्य संघर्ष छिड़ गया था।

भारत के साथ युद्ध के लिए तरस रहे मुनीर, कट्टरपंथी आर्मी चीफ की इमरान की बहन ने खोली पोल

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने देश के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर पर तीखा हमला करते हुए उन्हें एक कट्टरपंथी इस्लामवादी बताया, जो भारत के साथ युद्ध के लिए तरस रहा है। स्काई न्यूज पर द वर्ल्ड विद यल्दा हाकिम पर बोलते हुए अलीमा ने

कहा कि मुनीर का इस्लामी कट्टरपंथ उसे अविश्वासियों से लड़ने के लिए मजबूर करता है। अलीमा ने कहा कि आसिम मुनीर एक बेहद कट्टरपंथी इस्लामवादी और इस्लामी रूढ़िवादी है। यही वजह है कि वह भारत के साथ युद्ध चाहता है। उसका इस्लामी कट्टरपंथ और रूढ़िवाद उसे उन लोगों के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर करता है जो इस्लाम में विश्वास नहीं रखते। अलीमा खान ने अपने भाई की सोच की तुलना मुनीर से की और कहा कि इमरान खान पूरी तरह उदारवादी हैं। उन्होंने कहा कि जब भी इमरान खान सत्ता में आते हैं, आप देखेंगे कि वह हमेशा भारत और यहाँ तक कि भाजपा से भी दोस्ती करने की कोशिश करते हैं। जब भी यह कट्टरपंथी इस्लामवादी, असीम मुनीर, सत्ता में आता है, आप देखेंगे कि भारत के साथ युद्ध होगा और न केवल भारत, बल्कि भारत के सहयोगी देशों को भी नुकसान होगा। अलीमा ने पश्चिम से इमरान खान को रिहा करने के लिए अपने प्रयास बढ़ाने की अपील की, जिन्हें उन्होंने एक संपत्ति बताया। इमरान खान के स्वास्थ्य के बारे में बढ़ती अफवाहों और उनके परिवार द्वारा उनके जीवित होने का सबूत मांगने के दावों के बीच, रावलपिंडी की अदियाला जेल के अधिकारियों ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री की बहन उज्मा खानम को उनसे मिलने की अनुमति दी। उज़मा ख़ानम जेल में दाखिल हुईं, जबकि उनके साथ आए पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ़ (पीटीआई) के सैकड़ों समर्थक जेल के बाहर जमा हो गए थे। यह मुलाक़ात ऐसे समय में हुई जब पीटीआई ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय और अदियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और इमरान ख़ान से मुलाक़ात के अधिकार पर पाबंदी का आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि उनके परिवार के सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं को कई हफ़्तों से उनसे मिलने की इजाज़त नहीं दी गई थी।

खालिदा जिया की सेहत नाजुक: अचानक अस्पताल पहुंचे बांग्लादेश के तीनों सेना प्रमुख, जल्द ठीक होने की कामना की

ढाका बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का स्वास्थ्य अभी भी नाजुक स्थिति में है। ऐसे में चौकाने वाला खबर तब सामने आया, जब बांग्लादेश की तीनों सशस्त्र सेवाओं के प्रमुख गंभीर रूप से बीमार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने अस्पताल पहुंचे। थल सेनाध्यक्ष जनरल वाकर–उज–जमान, नौसेना प्रमुख एडमिरल मोहम्मद नजमुल हसन, और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान मंगलवार को एवरकेयर अस्पताल पहुंचे। यह जानकारी बांग्लादेश की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर ने दी। सूत्रों के अनुसार, तीनों सेवा प्रमुखों की गाड़ियां रात करीब नौ बजे अस्पताल के मुख्य द्वार पर दिखाई दीं। उन्होंने अस्पताल में थोड़ी देर रुककर जिया से मुलाकात की और उनके परिवार और मेडिकल टीम से बातचीत की। इसके बाद रात 9:20 बजे के आसपास वे अस्पताल से चले गए।

तीनों प्रमुखों ने जिया के जल्दी ठीक होने की कामना की

मीडिया रिपोर्ट की माने तो तीनों प्रमुखों ने जिया के जल्दी स्वस्थ होने की दुआ की। इसके बाद जमात–ए–इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने भी 80 वर्षीय जिया से मुलाकात की। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री तीन बार देश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। उन्हें 23 नवंबर को दिल और फेफड़ों में संक्रमण की वजह से निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार दिन बाद उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में रखा गया। रविवार रात उनकी स्थिति और गंभीर हो गई और उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया।

बढाई गई अस्पताल की सुरक्षा

बिगड़ते हालात को देखते हुए जिस अस्पताल में बांग्लादेशी पूर्व पीएम जिया भर्ती हैं, उसकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सोमवार को अस्थायी सरकार ने उन्हें बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति घोषित किया, जिससे उन्हें विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की सुरक्षा मिली। वर्तमान में जिया अस्पताल के चौथे मंजिल पर एक कैबिन में रह रही हैं और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आसपास के कैबिन खाली कर दिए गए हैं।

खालिदा जिया के लिए पूरे बांग्लादेश में की जा रही प्रार्थनाएं

गौरतलब है कि बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में, जैसे ढाका, राजशाही, चटगांव, बरिशाल, सिलहट और मैमेनसिंह में, उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए विशेष प्रार्थनाएं की जा रही हैं। बीएनपी के समर्थक सोशल मीडिया पर भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामनाएं साझा कर रहे हैं।

ट्रंप के भारत–पाक शांति प्रयासों पर मार्को रुबियो का बड़ा बयान, कहा– मुश्किल समझौते कराने का श्रेय राष्ट्रपति को मिलना चाहिए

अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट मार्को रुबियो ने मंगलवार को दावा किया कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ष्कई शांति डील की हैं, जिनमें इंडिया और पाकिस्तान जैसे बहुत खतरनाक डील भी शामिल हैंष, और कहा कि प्रेसिडेंट अमेरिका की फॉरेन पॉलिसी को नया आकार देने के लिए ष्बहुत बड़ा क्रेडिटष के हकदार हैं। व्हाइट हाउस में कैबिनेट मीटिंग के दौरान, रुबियो ने कहा कि दशकों में पहली बार, अमेरिकन फॉरेन पॉलिसी सिर्फ़ इस बात से

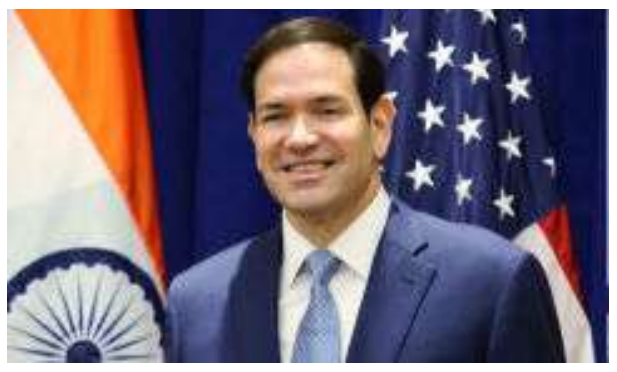

तय हो रही है कि क्या इससे ने ष्ज़्यादा सुरक्षित, मज़बूत और खुशहालष बनता है। उन्होंने कहा, ष्अगर ऐसा है, तो वह (ट्रंप) इसके पक्ष में हैं। अगर ऐसा नहीं है, तो वह इसके खिलाफ हैं। और इस तरह की क्लैरिटी बदलाव लाने वाली है।

ट्रंप के भारत–पाक शांति प्रयासों पर रूबियो का बड़ा बयान

मंगलवार को राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में रूबियो ने कहा कि कई दशकों में पहली बार अमेरिका को "सुरक्षित, मजबूत और अधिक समृद्ध" बनाने की सोच के साथ विदेश नीति पर काम हुआ है। रूबियो ने कहा, "बाकी सभी शांति समझौतों का कोई जिक्र नहीं करूंगा लेकिन भारत और पाकिस्तान या कंबोडिया और थाईलैंड जैसे बहुत ही मुश्किल समझौतों का उल्लेख करना जरूरी है। मेरा मानना है कि हमारी विदेश नीति को नया रूप देने के लिए राष्ट्रपति को खास श्रेय मिलना चाहिए।" इससे पहले ट्रंप ने मंत्रिमंडल बैठक के दौरान दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान विवाद समेत विभिन्न वैश्विक मुद्दों को सुलझाया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने "आठ युद्ध" रुकवाए हैं और हरेक के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने रूस–यूक्रेन मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, "हमने आठ युद्ध रुकवाए...अब हम एक और रुकवाने जा रहे हैं। मेरी ऐसी सोच है, मुझे ऐसी उम्मीद है।

यूएस में भारतीय ड्राइवर पर गंभीर आरोप, ट्रक की चपेट में आए दो लोग

अमेरिका में तीन साल पहले अवैध रूप से घुसे एक भारतीय नागरिक राजिंदर कुमार पर एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत के बाद हत्याकांड (हॉमिकाइड) का आरोप लगाया गया है। यह हादसा ओरेगन राज्य के डेश्यूट्स काउंटी में हुआ था। ओरेगन स्टेट पुलिस के मुताबिक, 24 नवंबर की रात कुमार एक सेमी–ट्रक चला रहे थे। उनका ट्रक सड़क पर जैकनाइफ स्थिति में फंसा हुआ था, यानी ट्रक और ट्रेलर मुड़कर सड़क की दोनों लेन को पूरी तरह ब्लॉक कर रहे थे। उसी दौरान विलियम माइका कार्टर अपनी कार से हाईवे की रफ्तार में आ रहे थे और ट्रेलर से टकरा गए। कार में मौजूद जेनिफर लिन लोवर भी मौके पर ही मारी गईं। दोनों की वहीं मौत हो गई, जबकि कुमार को कोई चोट नहीं आई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।